कोटद्वार, रविवार
19 अप्रैल 2026
वर्षः 49
अंकः 2 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से 4 संदिग्ध गिरफ्तार

▶ पुलिस ने बताया : खिलौने में बम लगाकर हमले की तैयारी में थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इनके पास से IED और उससे जुड़ा सामान बरामद हुआ है। आरोपियों में दो महाराष्ट्र और एक-एक ओडिशा और बिहार के हैं। इनकी पहचान मोसाइब अहमद, मोहम्मद हम्माद, मोहम्मद सोहेल और शेख इमरान के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दो आरोपी एक रिमोट कंट्रोल खिलौना कार में IED फिट करने की तैयारी में थे। जांच में यह भी सामने आया कि शेख इमरान दिसंबर 2025 में दिल्ली गया था। उसने रेड फोर्ट और इंडिया गेट जैसे जगहों की रेकी की थी। एजेंसियों के अनुसार, इन लोगों ने राम मंदिर, संसद भवन और सैन्य ठिकानों जैसे बड़े टारगेट पर हमले की भी चर्चा की थी। पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी एक कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित थे और गजवा-ए-हिंद जैसे नैरेटिव को बढ़ावा दे रहे थे। आरोपी एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया ग्रुप्स पर एक्टिव थे। इन ग्रुप्स में जिहाद, हथियार और कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़ा कंटेंट शेयर किया जाता था। इन्हीं प्लेटफॉर्म्स के जरिए नए लोगों को जोड़ने और प्रभावित करने की कोशिश की जा रही थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, एक आरोपी ने रेड फोर्ट की एडिटेड तस्वीर शेयर की थी, जिसमें काला झंडा लगाया गया था।

भारत बना दुनिया का भरोसेमंद निवेश ठिकाना

● सेबी प्रमुख का दावा- वैश्विक अनिश्चितताओं में भी पूंजी बाजार मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पूंजी बाजार को स्थिर तथा भरोसेमंद निवेश के रूप में देखा जा रहा है। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर एक स्थिर पूंजी केंद्र के रूप में उभर रहा है। देश का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 4.4 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। तकनीक, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश के अवसरों ने इस धारणा को और मजबूत किया है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने इक्विटी और ऋण बाजारों के जरिए कुल 154 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई है।वर्ष 2025 में भारत प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर, जबकि जुटाई गई पूंजी के मामले में तीसरे स्थान पर रहा। आरबीआई के मुताबिक, 2025-26 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जो बाजार की मजबूती को और पुख्ता करता है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की परिसंपत्तियां करीब 780 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं।

आक्रोशित भाजपा : राहुल के घर तक महिला सांसदों का मार्च, पुतला जलाया

पुलिस ने वाटर कैनन चलाई; दो सांसद और एक केंद्रीय मंत्री हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिए जाने के मकसद से लाए गए विधेयक को संसद से पारित नहीं कराया जा सका। संसद में मिली इस विफलता भाजपा आक्रोशित है। सड़कों पर प्रदर्शन किए जा रहे हैं। विपक्ष पर नारी विरोधी मानसिकता का आरोप लगाते हुए महिला सांसदों, नेताओं के अलावा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता राहुल गांधी के आवास का घेराव करने पहुंचे। कांग्रेस बनाम भाजपा की राजनीति भी शुरू हो गई है। प्रदर्शन में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद हेमा मालिनी, कमलजीत सहरावत, बांसुरी स्वराज और मनोज तिवारी सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए।दोनों खेमों के नेताओं की बयानबाजी जारी है।महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाए गए संविधान संशोधन विधेयक पारित न होने से आक्रोशित भाजपा नेताओं ने विधेयक के विरोध में मतदान करने वाले विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष पर महिला सशक्तिकरण में बाधा डालने और राजनीतिक स्वार्थ साधने का आरोप लगाया। नेताओं ने कहा कि यह विधेयक महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए महत्वपूर्ण था। उन्होंने विपक्ष के दोहरे मापदंडों पर सवाल उठाए। भाजपा ने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल वोट बैंक की राजनीति करता है। यह विधेयक महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम था। इससे पहले प्रदर्शन में शामिल दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछले तीस वर्षों से देश की आधी आबादी, यानी महिलाएं लगातार अपमान सह रही हैं। उन्होंने बताया कि यह विधेयक बार-बार सदन में लाया गया, लेकिन कभी इसे फाड़ दिया गया, कभी फेंक दिया गया और कभी इसका विरोध किया गया। गुप्ता ने विपक्ष के बदलते बहानों पर सवाल उठाए, जैसे परिसीमन, पुनर्गठन या सीटों की संख्या बढ़ाना। उन्होंने मुस्लिम महिलाओं के हितैषी होने के विपक्ष के दावों पर भी सवाल उठाया और पूछा कि तीन तलाक कानून का विरोध क्यों किया था। प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने हेतु एक तटस्थ प्राधिकरण की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि परिसीमन 2026 में होना तय है और कांग्रेस इसे रोक नहीं सकती। सहरावत ने कांग्रेस पर भ्रम फैलाने और राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि विधेयक का विरोध केवल एक राजनीतिक रणनीति थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के लिए महिलाएं केवल वोट बैंक हैं, वे सत्ता साझा करने से पीछे हट गए। लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के पारित न हो पाने के विरोध में आंध्र प्रदेश सीएम चंद्रबाबू नायडू ने निदावोलु में प्रदर्शन किया। इसमें टीडीपी, जन सेना और भाजपा दलों के नेताओं व कार्यकर्ता भी शामिल हुए। किरेन रिजिजू ने कहा- हम लोग दुखी है यह नुकसान पार्टियों को हुआ इससे दुखी नहीं है। बल्कि देश की महिलाओं के लिए दुखी हैं।

पुणे: एयरफोर्स के विमान की हार्ड लैंडिंग

पुणे (एजेंसी)। पुणे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार रात भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान की हार्ड लैंडिंग हुई। रात 10:30 बजे हुई इस घटना के बाद रनवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। जिसके कारण एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन करीब 11 घंटे तक प्रभावित रहा। पुणे एयरपोर्ट के डायरेक्टर संतोष धोके ने बताया कि IAF के विमान को सुबह करीब 5.45 बजे रनवे से हटा दिया गया था। लेकिन नोटम का टाइम बढ़ाकर सुबह 9 बजे कर दिया गया था। हालांकि फ्लाइट ऑपरेशन सुबह 7.30 बजे के बाद नॉर्मल हो सका। IAF ने पर बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित हैं। रनवे की मरम्मत के बाद उसे फ्लाइट्स के लिए फिट घोषित कर दिया गया। दिन भर में ऑपरेशन सामान्य हो जाएगा। एयरपोर्ट डायरेक्टर के मुताबिक रनवे बंद रहने के दौरान 5 एयरलाइंस की 91 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ी थीं। जबकि 12 फ्लाइट्स को डाइवर्ट कर दिया गया। इनमें इंडिगो की 65, एअर इंडिया की 6, स्पाइसजेट की 5, अकासा एयर की 5, एअर इंडिया एक्सप्रेस की 10 फ्लाइट्स शामिल थीं। आम तौर पर रनवे पर लैंड करते समय प्लेन धीरे-धीरे और स्मूदली उतरता है। लेकिन अगर वह जोर से रनवे पर टकरा जाए या तेजी से नीचे आए तो उसे हार्ड लैंडिंग कहते हैं। हार्ड लैंडिंग की कई वजह हो सकती हैं, इनमें खराब मौसम (तेज हवा, तूफान), पायलट के कैल्कुलेशन में गड़बड़ी या फिर अचानक हवा का दबाव बदलना शामिल है।

नोएडा हिंसा का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नोएडा। श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं के मुख्य साजिशकर्ता और एक लाख के इनामी आरोपी आदित्य आनंद को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने उसे तमिलनाडु के तिरुचापल्ली रेलवे स्टेशन से दबोचा है। लंबे समय से फरार चल रहे इस आरोपी की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी सफलता मान रही है। पुलिस के अनुसार श्रमिकों के धरना-प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ गतिविधियों और हिंसा को संगठित करने में आदित्य आनंद की मुख्य भूमिका सामने आई थी। जांच में उसे पूरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड पाया गया था। जिसके बाद थाना फेज-2 में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से ही वह लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता फिर रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए न्यायालय द्वारा गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया गया था। इसके बाद पुलिस और एसटीएफ की टीमें अलग-अलग राज्यों में उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही थीं। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, लोकेशन ट्रैकिंग और अन्य तकनीकी संसाधनों का सहारा लेकर उसकी गतिविधियों पर नजर बनाए रखी। आरोपी की लोकेशन तमिलनाडु में ट्रेस होने के बाद विशेष टीम को वहां भेजा गया।

होर्मुज से गुजर रहे दो जहाजों पर हुई गोलीबारी

ईरान ने दोपहर में आवाजाही रोकने का ऐलान किया था

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे दो जहाजों पर ईरान के गनबोट्स ने गोलीबारी की। यह घटना तब हुई जब ईरान ने इस समुद्री रास्ते पर फिर से सख्त नियंत्रण लागू करने का ऐलान किया था। UK मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर के मुताबिक टैंकर के कप्तान ने बताया कि ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की दो गनबोट उसके पास आईं और बिना रेडियो चेतावनी सीधे टैंकर पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जहाज स्ट्रेट पार किए बिना ही लौट गए। ईरान ने ऐलान किया था कि वह स्ट्रेट पर अपनी सैन्य निगरानी दोबारा कड़ी कर रहा है। ईरान ने कहा कि अमेरिका ने सीजफायर डील का उल्लंघन किया, इसलिए होर्मुज से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह सेना के कंट्रोल में होगी। वहीं अमेरिका ने होर्मुज से नाकेबंदी हटाने से इनकार कर दिया था। ट्रम्प ने कहा कि जब तक ईरान अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता, तब तक यह जारी रहेगी। साथ ही अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि ईरान के बंदरगाहों और तटीय इलाकों पर समुद्री ब्लॉकेड लगातार लागू रहेगा। ब्लॉकेड लागू करने के लिए अमेरिकी युद्धपोत वरर कैनबरा अरब सागर में गश्त कर रहा है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका हर हालत में ईरान के पास मौजूद एनरिच्ड यूरेनियम लेकर रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बातचीत से समझौता नहीं हुआ, तो यह काम और सख्त तरीके से भी किया जा सकता है। ओमान के पास होर्मुज स्ट्रेट के करीब एक भारतीय तेल टैंकर पर ईरानी नौसेना द्वारा फायरिंग की घटना सामने आई है। जग अर्णव नाम का यह जहाज करीब 20 लाख बैरल इराकी तेल लेकर जा रहा था। इस मामले में दो भारतीय जहाज–ह्यजग अर्णवह्व और सन्मार हेराल्ड–शामिल थे। शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, जग अर्णव पर फायरिंग की गई, जबकि दूसरा जहाज सुरक्षित रहा। इससे पहले खबर आई थी कि दो भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से वापस लौटना पड़ा था। इसी बीच यह घटना हुई। भारतीय नौसेना मामले की जानकारी जुटा रही है। हालांकि, फिलहाल होर्मुज स्ट्रेट में कोई भारतीय युद्धपोत तैनात नहीं है, लेकिन ओमान की खाड़ी में भारतीय युद्धपोत मौजूद हैं। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। भारत इस मार्ग पर निर्भर प्रमुख देशों में शामिल है, ऐसे में यहां बढ़ता तनाव उसकी ऊर्जा आपूर्ति पर असर डाल सकता है।

हिमंता बोले-ममता ने वोट के लिए जमीन बांग्लादेशियों को बेची

ममता बोलीं : बीजेपी का कल से पतन शुरू, तमिलनाडु में राहुल के हेलीकॉप्टर की जांच हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम सीएहिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने ने वोटों के लिए बंगाल की जमीन बांग्लादेशी मुसलमानों को बेच दी है। कलिम्पोंग में एक रैली के दौरान हिमंता ने कहा कि जब से ममता उट बनी हैं, उन्होंने पूरे बंगाल को बर्बाद कर दिया है। उन्हें सत्ता से हटाना होगा, वरना हम बंगाल खो देंगे। इधर, बंगाल के उलुबेरिया में चुनावी रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि इखढ का पतन कल से शुरू हो गया है। हम पिछले कई दशकों से महिलाओं के आरक्षण के मुद्दे की वकालत करते आ रहे हैं। यह महिलाओं के आरक्षण का बिल नहीं था, बल्कि इसका संबंध परिसीमन से था; इसलिए हमने इसका विरोध किया। वहीं, शनिवार को तमिलनाडु में राहुल गांधी ने पहली चुनावी रैली की। पोन्नेरी में जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- धरती पर ऐसी कोई ताकत नहीं है जो तमिलनाडु या तमिल भाषा को जरा भी नुकसान पहुंचा सके, क्योंकि तमिल कोई साधारण भाषा नहीं है। राहुल ने कहा कि पुराने जमाने की सेनाओं की तरह ही, इखढ भी तमिल भाषा पर हमला करना चाहती है, इतिहास को मिटाना चाहती है और तमिल संस्कृति को तोड़-मरोड़कर पेश करना चाहती है। हम ऐसा कभी भी होने नहीं देंगे। बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने कहा- आज प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर झूठ के जाल में फंसाकर देश के लोगों को संबोधित करेंगे। भाजपा शासन में, जो लोग कभी दंगे भड़काते थे, वे अब देश के नेता बन गए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी अमेरिका के प्रभाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हुई डील में देश के किसान, मजदूर, छोटे व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा को बेच दिया गया है।

राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि डोनाल्ड ट्रंप के जरिए अमेरिका के प्रधानमंत्री को कंट्रोल करता है। उन्होंने एपस्टीन फाइल्स का जिक्र करते हुए गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि संसद में महिलाओं से जुड़े बिल का इस्तेमाल परिसीमन करने के लिए चुनावी नक्शे के रूप में किया जा रहा था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इससे देश का चुनावी नक्शा बदला जाता और दक्षिण भारत, छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर के प्रतिनिधित्व को कम किया जाता। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने मिलकर इस कोशिश को रोक दिया। तमिलनाडु के थुरैयूर में चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी संसद में विपक्ष की आंखों में नहीं देख सकते। वह एक कम्प्रोमाइज्ड प्रधानमंत्री हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि डोनाल्ड ट्रम्प मोदी को कंट्रोल करते हैं और जो कहते हैं, वही पीएम करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसी तरह का कंट्रोल तमिलनाडु में AIADMK सरकार पर लागू करने की कोशिश हो रही है। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर की अधिकारियों ने जांच की। वे तिरुचिरापल्ली के थुरैयूर में चुनाव प्रचार की जनसभा में शामिल होने पहुंचे हैं। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि ममता बनर्जी नरेंद्र मोदी से इसलिए डरती हैं क्योंकि उन्हें पता है कि अगर बीजेपी बंगाल में सत्ता में आई तो उनकी राजनीति खत्म हो जाएगी।

दिल्ली में डबल मर्डर से सनसनी: पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के सीआर पार्क थाना क्षेत्र के अलकनंदा-तारा अपार्टमेंट में पड़ोसी ने पैसे के लेनदेन के विवाद में चाकू से गोदकर राकेश सूद (60) और उनके बेटे करण सूद (33) की शुक्रवार रात हत्या कर दी। बीचबचाव में राकेश का भतीजा भी घायल हो गया। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि तारा अपार्टमेंट का रहने वाले आरोपी असद ने पीड़ितों पर हमला किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ पीएस सीआर पार्क थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है। दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार घटना शाम करीब 6:15 बजे हुई। प्रॉपर्टी के कारोबार से जुड़े राकेश सूद अपने परिवार के साथ सीआर पार्क के तारा अपार्टमेंट में रहते थे। बेटा करण सूद कारोबार में उनकी मदद करता है। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि आमने-सामने रहने वाले आरोपी और पीड़ितों के बीच एक साल से पैसों और पार्किंग की समस्याओं को लेकर आए दिन आपस में झगड़े हो रहे थे।

केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ता 2% बढ़ाकर 60% किया

50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा

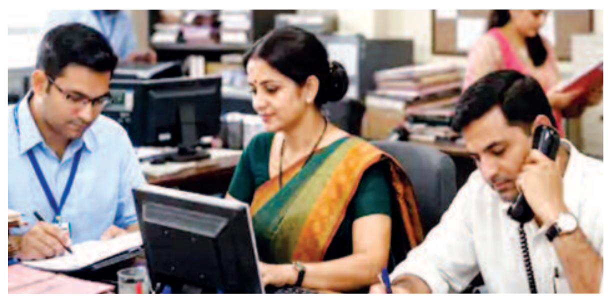

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (DA) और महंगाई राहत (DR) में 2% की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। सरकार ने DA-DR 58% से बढ़कर 60% किया है। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2026 से लागू होगी। इस फैसले से सरकार का सालाना 6,791 करोड़ रुपए का खर्च बढ़ेगा। इससे पहले अक्टूबर में महंगाई भत्ते को 55% से बढ़ाकर 58% किया गया था। पिछला रिविजन 1 जुलाई 2025 से प्रभावी माना गया था, जिसका भुगतान एरियर के साथ किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार (18 अप्रैल) को दिल्ली में हुई कैबिनेट बैठक में इसका ऐलान किया गया। इससे लगभग 50.5 लाख कर्मचारियों और 68.3 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। केंद्र सरकार साल में दो बार, जनवरी और जुलाई में महंगाई भत्ते (DA) और महंगाई राहत (DR) में बदलाव करती है। इस फैसले से कर्मचारियों की मंथली सैलरी और पेंशनर्स की पेंशन में इजाफा होता है। महंगाई भत्ता (DA) सरकारी कर्मचारियों को दिया जाने वाला 'कॉस्ट-ऑफ-लिविंग' एडजस्टमेंट है। इसका कैलकुलेशन बेसिक पे के प्रतिशत के रूप में किया जाता है। इसका मुख्य मकसद बढ़ती कीमतों के बीच कर्मचारियों की वास्तविक आय की सुरक्षा करना है, ताकि उनकी सैलरी महंगाई के साथ तालमेल बिठा सके। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब कर्मचारी संगठन 8वें वेतन आयोग के तहत सैलरी स्ट्रक्चर में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। नेशनल काउंसिल-जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी (NC-JCM) ने अपने ज्ञापन में 3.83 के हायर फिटमेंट फैक्टर की मांग की है। अगर यह मांग मानी जाती है, तो न्यूनतम बेसिक पे 18,000 रुपये से बढ़कर करीब 69,000 रुपये हो सकती है। संगठन ने सैलरी कैलकुलेशन के लिए परिवार की परिभाषा में आश्रित माता-पिता को शामिल करने और वेतन विसंगतियों को दूर करने का सुझाव भी दिया है। हालांकि आठवें वेतन आयोग के लागू होने की टाइमलाइन का ऐलान अभी तक नहीं हुआ है। कयास लगाए जा रहे हैं कि ये जल्द लागू हो सकता है। लेकिन इसे पूरी तरह इम्प्लीमेंट होने में 2028 तक का इंतजार करना पड़ सकता है। नए वेतन आयोग के लागू होने तक महंगाई भत्ता बेसिक पे के प्रतिशत के रूप में ही कैलकुलेट किया जाता रहेगा।

उत्तराखंड के कण-कण में भगवान का वास : धामी

मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश से चार धाम जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्रीपुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को ऋषिकेश में संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति द्वारा आयोजित चारधाम यात्रा-2026 के शुभारम्भ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चार धाम जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए स्थापित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के कण-कण में भगवान का वास है, इस पवित्रता को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने इस वर्ष ग्रीन चारधाम यात्रा और प्लास्टिक मुक्त केदारनाथ धाम का लक्ष्य निर्धारित किया है। सरकार द्वारा यात्रा मार्गों पर नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। सभी वाहनों में डस्टबिन रखना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा जैसे हम अपने घर के मंदिर को साफ और पवित्र रखते हैं, वैसे ही देवभूमि को भी स्वच्छ और पवित्र बनाए रखना है। मुख्यमंत्री ने देश भर से आए श्रद्धालुओं का उत्तराखंड में स्वागत करते हुए कहा कि चारधाम यात्रा आस्था, साधना और आत्मा को जोड़ने का मार्ग है। यह यात्रा हर कठिनाई को पार करने की शक्ति देती है। कहा कि सरकार का संकल्प है कि यात्रा सुगम, सुरक्षित, सुव्यवस्थित और दिव्य हो। चारधाम यात्रा करोड़ों श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं से धार्मिक स्थलों एवं यात्रा मार्ग में विशेष स्वच्छता बनाए रखने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यात्रा को और अधिक सुगम बनाने के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। हाल ही में 12 हजार करोड़ की लागत से बने दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण हुआ है, जिससे यात्रा सुगम और तेज हो गई है। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में पुनर्निर्माण कार्य गतिमान हैं।

देहरादून शहर और मसूरी में मॉक ड्रिल कर तैयारियों को परखा

देहरादून। शहर और मसूरी में मॉक ड्रिल कर तैयारियों को परखा गया। रेलवे स्टेशन में संदिग्ध वस्तु की तलाश में बम स्कवायड टीम ने चेकिंग अभियान चलाया। शनिवार को रेलवे स्टेशन में मॉक ड्रिल की गई। रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में तलाशी ली गई। वहीं अग्निशमन सेवा सप्ताह के कार्यक्रमानुसार प्रभारी अग्निशमन अधिकारी मसूरी धीरज सिंह तडियाल के नेतृत्व में मसूरी स्थित हैम्पटन कोर्ट स्कूल व घनानंद राजकीय इंटर कॉलेज में अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी मसूरी धीरज सिंह ने बताया कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य शिक्षण संस्थान के छात्र—छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा विद्यालय में उपलब्ध प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों के संचालन का प्रशिक्षण दिया जाना था। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा अग्निशमन उपकरणों को चलाए जाने का अभ्यास किया गया । दमकल विभाग की टीम द्वारा विद्यालय प्रबंधन से किसी भी आपात स्थिति में विद्यालय के समस्त प्रवेश निकास मार्ग को अवरोध मुक्त रखने की बात कही गई।

मसूरी पिक्चर पैलेस चौक पर जाम में फंसे लोग

देहरादून। मसूरी में वीकेंड पर पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होने से माल रोड पर जाम लग गया।माल रोड पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं व संपर्क मार्ग पर भी बड़ी संख्या में वाहन फंस गए। पिक्चर पैलेस चौक पर 2 घंटे करीब जाम की स्थिति बनी रही जिससे पर्यटकों के साथ स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। माल रोड पर काफी देर तक वाहन रेंगते हुए नजर आए। पैदल चलने वालों को भी निकलने की तक की जगह नहीं मिल पाई। इसी दौरान स्कूलों की छुट्टी का टाइम भी हो गया जिससे परिजनों को स्कूलों तक पहुंचने में काफी समय लग गया। पिक्चर पैलेस चौक पर करीब 2 घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। सड़क किनारे लगे टू व्हीलर और फोर व्हीलर के कारण सबसे ज्यादा जाम की स्थिति पैदा हो गई।माल वाहक वाहन भी जाम का कारण बन रहे जबकि 2 दिन पहले नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी ने पर्यटन सीजन की तैयारी को लेकर बैठक की थी लेकिन बैठक में लिए गए निर्णय हवाई साबित होते हुए नजर आए। पिक्चर पैलेस चौक पर जब जाम की स्थिति निकट हो गई तब पुलिसकर्मी जाम को सुचारु करने पहुंचे जिससे मसूरी में सबसे ज्यादा कमी पुलिस प्रशासन की मानी जा रही है। वहीं नगर पालिका द्वारा भी निर्धारित समय के बाद पालिका बैरियरों से गाड़ियां भी वाहनों को माल रोड पर भेजा जा रहा है जिससे जाम की समस्या और भी ज्यादा विकट होती जा रही है। स्थानीय व्यापारी प्रताप सिंह पंवार, संदीप नौटियाल का कहना है कि जाम लगने से एक भी पर्यटक खरीदारी करने के लिए दुकानों में नहीं आते जिससे हर दिन आर्थिक नुकसान भुगतना पड़ रहा है ।

संक्षिप्त समाचार

तुंगनाथ यात्रा को लेकर की बैठक

रुद्रप्रयाग। आगामी तुंगनाथ यात्रा की तैयारियों को लेकर शनिवार को पुलिस प्रशासन और स्थानीय हितधारकों के बीच समन्वय बैठक हुई। चोपता चौकी में हुई इस बैठक में पुलिस ने व्यापारियों, टैक्सी यूनियन, घोड़ा—खच्चर संचालकों और वन विभाग के अधिकारियों के साथ यात्रा व्यवस्थाओं पर चर्चा की। प्रभारी निरीक्षक मनोज नेगी ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने सभी से अपील की कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों के साथ मधुर व्यवहार रखा जाए, जिससे प्रदेश की सकारात्मक छवि बने। बैठक में स्थानीय व्यापारियों और संचालकों ने यात्रा मार्ग को बेहतर बनाने के लिए अपनी समस्याएं और सुझाव भी दिए। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने के निर्देश दिए गए। बैठक में भूपेंद्र मैठाणी, दिनेश सिंह सहित यात्रा से जुड़े व्यापारी आदि उपस्थित थे।

एसआरटी परिसर में पेयजल की जांच के लिए सैंपल भरे जाएंगे

नई टिहरी)। बादशाहीथौल स्थित एक होटल में बीते 14 अप्रैल को शादी समारोह में भोजन करने के बाद फूड प्वाइजनिंग से 35 लोग बीमार होने से एसआरटी परिसर बदशाहीथौल के निदेशक प्रो. एए बौड़ाई ने जल संस्थान से पानी का सैंपल लेकर जांच करने को कहा है। प्रो. बौड़ाई ने संस्थान के ईई प्रशांत भारद्वाज को बताया कि परिसर में विभिन्न स्रोतों से जलापूर्ति होती है जिसका उपयोग पुरुष व महिला छात्रावासों के साथ—साथ परिसर में कार्यरत समस्त कर्मचारी, शिक्षक एवं आवासीय कॉलोनी में रहने वाले लोग करते हैं। उन्होंने पर्यावरण विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान और रसायन विज्ञान विभागों के वैज्ञानिकों और प्रोफेसरों के साथ बैठक आयोजित की कर परिसर में उपलब्ध प्रयोगशालाओं में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त पानी के सैंपल की प्राथमिक जांच करने को कहा। सैंपल एकत्रित कर नई टिहरी स्थित जल संस्थान की प्रयोगशाला में विस्तृत परीक्षण के लिए भेजने को कहा। बैठक में प्रो. जीडीएस नेगी, प्रो. डीके शर्मा, प्रो. बीना जोशी, प्रो. रविंद्र सिंह, डॉ. सुब्रतो मिस्त्री, डॉ. रविंद्र सिंह धरावत, डॉ. आशीष डोगरा, डॉ. जीएस असवाल आदि मौजूद रहे।

नौगांव व बड़कोट में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के सुगम एवं सुरक्षित संचालन के लिए उत्तरकाशी पुलिस एवं प्रशासन की ओर से बड़कोट में व्यापार मंडल और टैक्सी यूनियन के साथ बैठक की गई। बैठक में यातायात व्यवस्था सुधार को निर्णय लिया गया कि स्थानीय वाहन बड़कोट गांव पार्किंग में ही खड़े होंगे व यात्रा काल में श्रद्धालुओं के वाहन निर्धारित पार्किंग व होटल पार्किंग में ही रखे जाएंगे। सीओ बड़कोट चंचल शर्मा ने बताया कि दिन में नौगांव और बड़कोट बाजार में भारी वाहनों का दिन में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। होटल—रेस्टोरेंट को सीसीटीवी चालू रखने, यात्रियों का आईडी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने, विदेशी नागरिकों की सूचना पुलिस को देने और रेट लिस्ट प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। टैक्सी, बसों को रोटेशन अनुसार संचालन, ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग और नशे में वाहन चलाने पर रोक के निर्देश भी दिए गए। सीओ उत्तरकाशी जनक पंवार ने बताया कि गंगोत्री धाम में श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन को पुलिस की ओर से बैरिकेडिंग एवं पार्किंग व्यवस्था को मजबूत करते हुए भीड़ एवं यातायात प्रबंधन की विशेष योजना तैयार की गई है।

ऑटो—कार की टक्कर में महिला की मौत, आठ घायल

हल्द्वानी। हल्दूचौड़ क्षेत्र में शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबह करीब नौ बजे उस समय हुआ, जब हल्द्वानी से लालकुआं की ओर जा रहा सवारियों से भरा ऑटो सामने से आ रही तेज रफ्तार कार से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी 30 वर्षीय रोजी की मौके पर ही मौत हो गई। उसके पति शाहरुख खान, चार छोटे बच्चों समेत अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।बताया जा रहा है कि परिवार हल्द्वानी में गफूर बस्ती स्थित ससुराल से वापस लौट रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य चलाया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती आशंका तेज रफ्तार और लापरवाही की जताई जा रही है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर खाते से उड़ाए 4.64 लाख रुपये

काशीपुर। साइबर ठगों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर कमाई का लालच देकर एक व्यक्ति के खाते से 4,64,871 रुपये की रकम साफ कर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बाजपुर रोड सांडखेड़ा निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र राम लाल ने आईटीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी। बताया कि उसकी बाजपुर रोड पर बालाजी ल्यूब्रिकेटस की दुकान है। उसका 16 वर्षीय पुत्र जो दसवीं कक्षा का छात्र है। उसके पास उसका मोबाइल रहता था।

फूलों से सजाए गए गंगोत्री—यमुनोत्री धाम में मंदिर

उत्तरकाशी। गंगा और यमुना जी के स्वागत के लिए गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में मुख्य मंदिरों को कई क्विंटल फूलों से सजाया गया है। इसके साथ ही शासन—प्रशासन की ओर से भी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। साथ ही यात्रा रूटों सहित दोनों धामों में दुकानें सज चुकी हैं। होटल यात्रियों के स्वागत के लिए तैयार हैं। हीना और दोबाटा स्क्रीनिंग प्वाइंट पर स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की तैनाती के साथ आज से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

पुलिस की ओर से गंगोत्री व यमुनोत्री धाम यात्रा को दो सुपरजोन, 12 जोन और 30 सेक्टर में बांटकर सुपरजोनल, जोनल व सेक्टर पुलिस अधिकारियो को नियुक्त किया गया है। यात्रा मागी पर 6 थाने, 9 रिपोर्टिंग पुलिस चौकी, 1 वाच एंड वार्ड तथा 13 सीजनल चौकियां हैं। साथ ही 12 पर्यटन पुलिस चौकियां बनाई गई हैं। चारधाम यात्रा के धाम व यात्रा मार्ग पर दो अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों सहित 5 राजपत्रित अधिकारी, 15 निरीक्षक, 135 उपनिरीक्षक व अपर उपनिरीक्षक, 150 हेड कांस्टेबल, 250 कांस्टेबल, 20 महिला कांस्टेबल 140 होमगार्ड, 500 पीआरडी के जवानों की तैनाती की गई है। साथ ही एक कम्पनी पीएसी, दो टीम एटीएस, दो टीम बीडीएस, छह टीम एसडीआरएफ, नौ टीम फायर और चार सीपीयू हॉक टीमों की नियुक्ति की गई है। धाम में एक—एक खोया पाया केंद्र बनाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से छह विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की गई है। इनमें जानकीचट्टी में दो, बड़कोट में दो, गंगोत्री में एक, जिला अस्पताल में एक चिकित्सक तैनात रहेगा। गंगोत्री में एक मेडिकल ऑफिसर, जानकीचट्टी और यमुनोत्री में कुल सात मेडिकल आफिसर तैनात रहेंगे। साथ ही गंगोत्री में दस और यमुनोत्री और जानकीचट्टी में 24 स्वास्थ्य मित्र रखे गए हैं। स्क्रीनिंग प्वाइंट हीना में दो मेडिकल ऑफिसरों के साथ 10 स्वास्थकर्मी दो शिफ्ट में तैनात रहेंगे। वहीं, दोबाटा स्क्रीनिंग प्वांइट में सुबह छह और शाम को नौ स्वास्थ्य कर्मचारी, दो मेडिकल ऑफिसर रहेंगे।

अक्षय तृतीया पर्व पर गोत्रीधाम और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ चारधाम यात्रा का होगा शुभारंभ

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम में कपाट खुलने से एक दिन पूर्व प्रशासन ने यात्रा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है। अक्षय तृतीया पर्व पर आज गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ चारधाम यात्रा का शुभारंभ होगा। इससे पहले जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने धाम क्षेत्र और यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने करीब पांच किलोमीटर लंबे पैदल मार्ग का निरीक्षण करते हुए रेलिंग, रेन शेल्टर, पेयजल, बिजली, चिकित्सा सुविधाएं, शौचालय और सफाई व्यवस्था की स्थिति परखी। उन्होंने निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान सभी व्यवस्थाएं लगातार सुचारू बनी रहें और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मार्ग पर लगाए गए साइन बोर्डों की भी समीक्षा की गई। मंदिर परिसर के आसपास चेंजिंग रूम, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त किया गया है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं से संवाद कर व्यवस्थाओं पर फीडबैक भी लिया। जानकीचट्टी में घोड़ा—खच्चर संचालन, डंडी—कंडी व्यवस्था और प्रीपेड काउंटर का निरीक्षण करते हुए रोटेशन प्रणाली को व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए गए। पशुओं के लिए बनाए गए पड़ावों पर चरी में गर्म पानी की पर्याप्त व्यवस्था करने को कहा गया। यातायात और भीड़ नियंत्रण के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए हैं।

आपदा के घावों पर मरहमः अंतिम छोर तक पहुंची डीएम

बागेश्वर। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता और सक्रियता का परिचय देते हुए दूरस्थ गांवों तक अपनी पहुंच सुनिश्चित की है। इसी क्रम में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने शनिवार को तहसील कपकोट के अंतर्गत ग्राम पौंसारी सहित चचई, कनियालीकोट, अनरसा, बैसानी, नान और पौंसारी क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर आपदा के बाद चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों की प्रगति का सूक्ष्म मूल्यांकन किया। निरीक्षण के उपरांत आयोजित बैठक में उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने दो टूक शब्दों में कहा कि पुनर्निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य युद्धस्तर पर संचालित किए जाएं और बरसात से पूर्व पूर्ण कर लिए जाएं,

ड्रग लाइसेंस मंजूर, फीस माफ, वेतन दिलाने के निर्देश

हल्द्वानी। हल्द्वानी स्थित कमिश्नर कैंप कार्यालय में शनिवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम आम लोगों के लिए राहत भरा रहा। आयुक्त दीपक रावत ने लंबित समस्याओं पर तुरंत कार्रवाई करते हुए कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। आयुक्त दीपक रावत की मौजूदगी में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने जनता की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई की। जनसुनवाई के दौरान भवाली निवासी जितेंद्र कुमार का लंबे समय से लंबित ड्रग लाइसेंस आवेदन प्रमुख मामला रहा। बार—बार निरस्त हो रहे आवेदन पर आयुक्त के हस्तक्षेप के बाद संबंधित विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए लाइसेंस स्वीकृत कर दिया, जिससे आवेदक को बड़ी राहत मिली। मंगलपड़ाव,हल्द्वानी निवासी विद्यावती ने अपने दिवंगत पति का दो वर्षों से बकाया वेतन दिलाने की गुहार लगाई। इस पर आयुक्त ने संबंधित विभाग को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रामनगर निवासी पार्वती रावत के भूमि विवाद मामले में तहसील प्रशासन को जांच कर निष्पक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया, ताकि विवाद का स्थायी समाधान हो सके।

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन

देहरादून। निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि, किताबों के बढ़ते दाम और विभिन्न शुल्कों के खिलाफ शनिवार को एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने मुख्य शिक्षाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने ज्ञापन देकर कार्रवाई की भी मांग उठाई। डीएवी पीजी कॉलेज के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता व छात्र मयूरी विहार स्थित मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचे। सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि निजी स्कूल ट्यूशन फीस, वार्षिक शुल्क, कंप्यूटर फीस और अन्य मदों में लगातार बढ़ोतरी कर रहे हैं। जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। साथ ही एनसीईआरटी पुस्तकों की कीमतों में 50 से 80 प्रतिशत तक वृद्धि होने का आरोप लगाते हुए इसे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए गंभीर समस्या बताया गया।सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि उत्तराखंड जनकल्याणकारी राज्य है और शिक्षा को मुनाफे का जरिया बनने से रोकना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने मांग की कि यदि छपाई लागत बढ़ी है तो सरकार सब्सिडी देकर पुरानी दरें बहाल करे, प्रदेश में फीस रेगुलेटरी एक्ट को सख्ती से लागू किया जाए और जिला स्तर पर शिकायत समिति गठित कर 15 दिनों के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो छात्रसंघ अभिभावकों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करेगा।

आर्मी बैंड व ढोल दमांऊ की अगुवाई में रवाना हुई मां गंगा की डोली

उत्तरकाशी। आगामी चारधाम यात्रा के आगाज के लिए मां गंगा की भोगमूर्ति विग्रह डोली में शनिवार दोपहर को अभिजीत मुहूर्त गंगोत्री धाम के लिए रवाना हुई। आज अक्षय तृतीया के दिन मां गंगा मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। मुखबा गांव के ग्रामीणों ने मां गंगा को कल्यो देने के साथ ही फाफरे का भोग लगाकर नम आंखों के साथ छह माह के प्रवास के लिए भावुकता के साथ विदा किया। इस विशेष अवसर के लिए जनपद के विभिन्न क्षेत्रों और देश के विभिन्न प्रदेशों से श्रद्धालु मुखबा पहुंचे। गंगा जी की भोगूर्ति विग्रह डोली में शनिवार दोपहर 12.15 बजे पर अभिजीत मुहूर्त में आर्मी बैंड व ढोल दमाऊं की अगुवाई व मुखबा धराली के समेश्वर देवता की देवडोली के साथ गंगोत्री धाम के लिए रवाना हो गई है। तीर्थ पुरोहितों और श्रद्धालुओं के साथ गंगा की डोली मुखबा—जांगला के सात किमी के जोखिमभरे मार्ग से होते हुए रात्रि विश्राम के लिए भैरो घाटी पहुंची।वहां पर भैरो मंदिर में रात्रि विश्राम के बाद रविवार सुबह गंगोत्री धाम के लिए रवाना होगी। धाम में विशेष पूजा—अर्चना के बाद अक्षय तृतीय पर गंगोत्री धाम के कपाट दोपहर 12.15 बजे पर श्रद्धालुओं के लिए छह माह के लिए खोल दिए जाएंगे। गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि मुखबा गांव के ग्रामीणों के लिए गंगा जी की विदाई का समय भावुकता का होता है। ग्रामीणों ने फाफरे का भोग और छह माह का कल्यो अर्से आदि के साथ मां को विदा किया। मुंबई से आए श्रद्धालुओं ने कहा कि यह उनके सौभाग्य का क्षण है कि वह इस पल के साक्षी बन रहे हैं। पहली बार वह इस आध्यात्मिक अनुभव को कभी नहीं भूलेंगे। इससे पूर्व जंगला में स्थानीय लोगों और कोपांग में आईटीबीपी के जवानों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए जलपान व भोजन की व्यवस्था की गई थी।

केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर बर्फ हटाने का कार्य 80 प्रतिशत तक हुआ पूरा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से पूर्व गौरीकुंड से केदारनाथ के बीच निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है। बर्फ हटाने के कार्य व पुनर्निर्माण, मरम्मत के कार्य ने गति पकड़ी है। आगामी 22 अप्रैल को आम श्रद्धालु और तीर्थ यात्रियों के लिए बाबा केदारनाथ के कपाट खुल रहे हैं। ऐसे में डीडीएमए गुप्तकाशी के कर्मचारी व श्रमिक तेज गति से निर्माण कार्यों को अंतिम स्वरूप दे रहे हैं।

लोनिवि के अधिशासी अभियंता राजबिंद सिंह ने बताया की बर्फ हटाने का कार्य 80 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है। गौरीकुंड से केदारनाथ के बीच मार्ग आवाजाही के लिए मार्ग खुल चुका है। उन्होंने बताया कि थारू, लिनचोली, हथनी, भैरव और कुबेर ग्लेशियर में बर्फ 5 से 6 फीट तक हटाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि धूप खिलते ही ऊपर से ग्लेशियर टूट के पैदल मार्ग पर आने की संभावनाएं बनी है। ऐसे में हर पल सुरक्षा बलों की तैनाती में इन स्थानों पर श्रमिक बर्फ हटाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा की रेलिंग मरम्मत, डेंट पेंट, रैन शेल्टर समेत अन्य कई कार्य पूर्ण हो चुके हैं।

टैलेंट फिएस्टा में गायत्री सदन प्रथम और संतोष सदन द्वितीय रहा

देहरादून। मसूरी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित अंतर—सिनीय टैलेंट फिएस्टा में छात्राओं ने शास्त्रीय नृत्य, कथक और भरतनाट्यम की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। टैलेंट फिएस्टा में गायत्री सदन प्रथम, संतोष सदन दूसरे और लक्ष्मी सदन तीसरे स्थान पर रहा। मसूरी इंटरनेशनल स्कूल में अंतर—सिनीय टैलेंट फिएस्टा का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लक्ष्मी, गायत्री और संतोषी सदन की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सभागार में उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण से हुआ। इसके बाद छात्राओं ने शास्त्रीय नृत्य, कथक और भरतनाट्यम की सुंदर प्रस्तुतियां दी। उनकी भाव भंगिमाओं और नृत्य कौशल ने दर्शकों की प्रसंसा का पात्र बना दिया। कार्यक्रम में विशेष आकर्षण प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों का अभिनय रहा, जिसने अपनी सरलता और स्वभाविकता से सभी का मन मोह लिया। छोटे बच्चों की प्रस्तुति को दर्शकों ने तालियां की गड़गड़ाहट से सराहा। मुख्य अतिथि विद्यालय की प्रधानाचार्या शालू बब्बर ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। उन्होंने तीनों सदनों की छात्राओं की सराहना की। इस मौके पर छात्राओं की प्रस्तुति व प्रतिभा की जमकर सराहना की गयी।

121 दिनों बाद थमा कूड़ा निस्तारण आंदोलन

उत्तरकाशी। शहर में कूड़ा निस्तारण की समस्या को लेकर पिछले 121 दिनों से चल रहा जनांदोलन शनिवार को एक अहम निर्णय के साथ समाप्त कर दिया गया। लंबे समय से शांतिपूर्ण धरने के बावजूद स्थायी समाधान न निकलने पर आंदोलनकारियों ने धरना समाप्त करते हुए प्रशासन और नगर पालिका को कड़ा संदेश दिया है। आंदोलनकारियों का कहना है कि इतने लंबे समय के बाद भी शहर में कूड़ा निस्तारण की कोई ठोस व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। विशेष रूप से ट्रंचिंग ग्राउंड का निर्माण कार्य अब तक अधूरा है जिससे नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिले और जमीनी स्तर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं दिखी।

एक सप्ताह में सड़क का कार्य शुरू नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

अल्मोड़ा। नगर निगम पार्षद वैभव पांडे ने शहर की जर्जर सड़कों को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए एक सप्ताह के भीतर मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय में सड़कों की हालत लंबे समय से खराब बनी हुई है, जहां जगह—जगह गड्ढे और टूटी सतह लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हैं। पार्षद ने बताया कि इस मुद्दे को हाल ही में सोशल मीडिया के माध्यम से उठाया गया था, जिसके बाद संबंधित अधिकारियों ने संज्ञान लिया। अधिशासी अभियंता की ओर से आश्वासन दिया गया है कि एक सप्ताह के भीतर पेचवर्क और हॉट मिक्स का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बरेली—अल्मोड़ा—बागेश्वर मार्ग पर हॉट मिक्स तथा धारानौला मार्ग पर पेचवर्क कार्य प्रस्तावित है, लेकिन कार्य में हो रही देरी समझ से परे है, जबकि टेंडर प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है।

पार्षद ने चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा के भीतर कार्य शुरू नहीं किया गया तो जनहित में अधिशासी अभियंता का घेराव और तालाबंदी जैसे कदम उठाए जाएंगे। साथ ही धारानौला मार्ग पर भी हॉट मिक्स का टेंडर जारी करने की मांग की, ताकि क्षेत्र के लोगों के साथ भेदभाव न हो।

एक नजर

विपक्ष की ओर से नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करना गलत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विपक्ष की ओर से नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध किए जाने को भारतीय जनता पार्टी ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के हितों को लेकर यह अधिनियम लेकर आ रही थी। विपक्ष की सोच बताती है कि वह देश का हित नहीं चाहते।

इस संबंध में पूर्व नगर अध्यक्ष पंकज भाटिया ने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। कहा कि देश की संसद में कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों ने इस संसोधन बिल का विरोध किया। विपक्ष की यह कार्यप्रणाली दर्शाती है कि वह देश में महिलाओं को आगे नहीं बढ़ने देना चाहते। कहा कि अधिनियम को लाकर केंद्र सरकार का निर्णय साधारण नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को सींचने वाला था। कहा कि कांग्रेस की नीति और नियत में हमेशा से फर्क रहा है। वे कहते तो हैं कि हम महिला आरक्षण चाहते हैं, लेकिन उनकी नियत में खोट साफ दिखाई देती है। जिस बिल को सर्वसम्मति से पारित कर एक उत्सव की तरह मनाया जाना था। कांग्रेस व विपक्षी दलों ने उसे धरातल पर नहीं उतरने दिया।

बाल विवाह के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार के सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बाल विवाह के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाने का संकल्प लिया।

बाल कल्याण समिति व चाइल्ड लाइन के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्प्रभाव व कानूनी जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संविधान में बच्चों के लिए विशेष अधिकार बनाए गए हैं। बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। समाज में फैली कुप्रथा के खिलाफ हम सभी को आवाज बुलंद करनी चाहिए।

छात्रों को सर्तक और जागरूक रहने की दी सलाह

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार केंद्र में मीडिया साक्षरता विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य वक्ता इंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक प्रो. केजी सुरेश ने छात्रों को मीडिया के प्रति समालोचनात्मक समझ विकसित करने और उन्हें डिजिटल युग की चुनौतियों के प्रति जागरूक बनाने पर जोर दिया। प्रो. सुरेश ने मीडिया साक्षरता के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि मीडिया साक्षरता केवल सूचना प्राप्त करने तक सीमित नहीं है बल्कि यह सूचना का विश्लेषण, मूल्यांकन और जिम्मेदारी पूर्वक उपयोग करने की क्षमता भी प्रदान करती है। प्रो. सुरेश ने फेक न्यूज, दुष्प्रचार (प्रोपेगेंडा) और डिजिटल मीडिया में बढ़ती सूचनाओं की विश्वसनीयता जैसे मुद्दों पर चर्चा करते हुए छात्रों को सतर्क और जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि एक सशक्त लोकतंत्र के लिए जागरूक और मीडिया-साक्षर नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस मौके पर कार्यक्रम की मुख्य आयोजक पत्रकारिता एवं जनसंचार केंद्र की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमिता, सह आयोजक डॉ. दिनेश भट्ट, डॉ. अंकित घिल्डियाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

गायकों की प्रस्तुतियों ने मोहा श्रोताओं का मन

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र की ओर से आयोजित नरेंद्र संगीत सप्ताह के दूसरे दिन रुद्रप्रयाग, देहरादून, कोटद्वार, पौड़ी, श्रीनगर और पैठाणी के गायकों ने अपने सुंदर गायन से श्रोताओं का मन मोहा। गायकों ने बड़ी संजीदगी के साथ नरेंद्र सिंह नेगी के गीतों को प्रस्तुत किया। आयोजन के दूसरे दिन समारोह का शुभारंभ करते हुए बुद्ध ज्ञान परंपरा और बौद्ध तीर्थस्थलों के प्रसिद्ध जानकार जगदीश चमोला ने कहा कि लोक संस्कृति के क्षेत्र में यह आयोजन बहुत महत्वपूर्ण है। लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं में लोक संस्कृति की संवेदना को स्थापित करने में सफल होगा। इस मौके पर बिहार के एक छात्र सौरभ राज ने नरेंद्र सिंह नेगी की रचना जौ जस देई दैणु ह्वे जैई गीत गाकर श्रोताओं का मन मोह दिया। रुद्रप्रयाग से गायक मनमोहन सिंह कपरवाण दूर चलिगे माना अब तू आसमान ह्वे गेई गाया। लाजवंती (कोटद्वार), पूजा ध्यानी अमोली (देहरादून), अरुण भट्ट (पैठाणी), होशियार सिंह (कल्जीखाल), निधि डुंगरियाल, अल्का आर्य और अनुष्का विलियम (श्रीनगर), विवेक नौटियाल ने भी शानदार प्रस्तुतियां दीं। गायकों को प्रशस्तिपत्र और प्रतीक चिह्न प्रदान करते हुए प्रसिद्ध चित्रकार और कवि जय कृष्ण पैन्यूली माटी ने कहा कि यह आयोजन राज्य की लोक-संस्कृति को अपना सर्वोच्च योगदान करने वाले लोकगायक गीतकार नरेंद्र सिंह नेगी के प्रति सम्मान के भाव को स्थापित करता है। (एजेंसी)

लोक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के शिक्षा विभाग की ओर से विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर उत्तराखंड की रामलीला मंचन, सांस्कृतिक विरासत व महिलाओं की भूमिका विषय पर विशेष व्याख्यान व फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार नौटियाल ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक पहचान उसकी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों में निहित होती है। यदि हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों को नहीं समझते, तो हमारी पहचान अधूरी रह जाती है। कहा कि हम अपनी परंपराओं को संजोकर रखें और उन्हें नई पीढ़ी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं। मुख्य वक्ता प्रो. पुनीता गुप्ता ने उत्तराखंड की रामलीला की विशिष्टताओं, सांस्कृतिक गहराई और महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। बताया कि लोक परंपराएं समाज की आत्मा होती हैं और उत्तराखंड की रामलीला इसका सशक्त उदाहरण है। विशेष रूप से महिलाओं की सहभागिता इस परंपरा को जीवंत बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

बौनी पड़ी सुरक्षा दीवार, आबादी में पहुंच रहे हाथी

लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र से सटी सड़क पर घूमता हाथी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आबादी में हाथियों की धमक रोकने के लिए करोड़ों की लागत से बनाई गई हाथी सुरक्षा केवल शोपीस बनकर रह गई है। आए दिन हाथी दीवार को लांघकर आबादी में प्रवेश कर काश्तकारों की फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यही नहीं, राह से गुजरते हाथियों के कारण राहगीरों को भी जान-माल का खतरा बना हुआ है। सत्तीचौड़ रोड में सुरक्षा दीवार को लांघते एक हाथी का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कोटद्वार व भाबर क्षेत्र का अधिकांश भाग जंगल से सटा हुआ है। यही कारण है कि आबादी में जंगली जानवरों की धमक बनी रहती है। हाथी व अन्य जानवरों से निजात के लिए कुछ वर्ष पूर्व वन विभाग ने करोड़ों की लागत से जंगल के आसपास हाथी सुरक्षा दीवार बनाई, लेकिन देखरेख के अभाव में यह दीवार केवल शोपीस बनकर रह गई है। जंगल की ओर से दीवार के आसपास मिट्टी के टीले लगे हुए है। वहीं, सड़क की ओर से भी हाथी सुरक्षा दीवार को आसानी से लांघ रहे हैं। स्थानीय काश्तकार कई बार वन विभाग से हाथी सुरक्षा दीवार की ऊंचाई बढ़ाने की मांग उठा चुके हैं। लेकिन, सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। कई बार हाथी सुरक्षा दीवार पार करते समय हाथी सड़क से गुजरने वालों को भी दौड़ा चुका है।

कुल्हाड़ बैंड-रैतपुर मल्ला के मध्य डामरीकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राष्ट्रीय रजामार्ग पर गुमखाल-सतपुली के मध्य हो रहे सड़क चौड़ीकरण के कारण लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए क्षेत्रीय जन ने कुल्हाड़ बैंड-रैतपुर मल्ला के मध्य डामरीकरण की मांग की है। क्षेत्रीय जन रोशन गौड़, सुमन गौड़, विनोद गौड़, सुरेश गौड़, हर्षपाल सिंह, विजय गौड़, शोभन सिंह, पंचम सिंह, भरत सिंह ने बताया कि इन दिनों राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य जारी है। जिस कारण राजमार्ग पर हर वक्त जाम की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में यदि सतपुली से करीब बारह किलोमीटर पूर्व कुल्हाड़ बैंड से रैतपुर मल्ला होते हुए सतपुली को जोड़ने वाले वैकल्पिक मार्ग का डामरीकरण होता है तो क्षेत्रीय जन को राजमार्ग के जाम से निजात मिलेगी। बताया कि यह वैकल्पिक मार्ग कुल्हाड़ बैंड-कोटली-जिमठोक-कट्ठगांव (रैतपुर मल्ला)-रनकोट होते हुए सतपुली तक जाता है। वर्तमान में यह कच्चा एवं जर्जर अवस्था में है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि मार्ग के डामरीकरण से वैकल्पिक सड़क के रूप में कार्य करेगा और जाम की समस्या से स्थायी राहत प्रदान करेगा। यह मार्ग विद्यार्थियों, रोगियों, व्यापारियों व दैनिक यात्रियों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय इंटर कॉलेज मठाली में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं गणित था। इस दौरान कार्यशाला में बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया गया।

आधारशिला संस्था की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य नरेश चन्द्र जोशी ने की। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी रुड़की के भू-विज्ञान विभाग के प्रो. डॉ. आशुतोष चमोली उपस्थित रहे। सेमिनार में डा. चमोली ने विद्यार्थियों को विज्ञान के व्यावहारिक महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें जिज्ञासु, नवाचारी एवं शोधपरक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों की शंकाओं का समाधान करते हुए उन्हें भविष्य की संभावनाओं के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर आधारशिला संस्थान के संस्थापक एवं अध्यक्ष नरेश चन्द्र घिल्डियाल ने मेधावी विद्यार्थियों व मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति में चयनित छात्रों को सम्मानित किया।

उन्होंने विद्यालय को आठ कंप्यूटर देने की भी घोषणा की। कहा कि बच्चों को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ना चाहिए। इस मौके पर भौतिक विज्ञान प्रवक्ता वंदना नेगी, डा. नवीन बड़थ्वाल, दीपक बहुगुणा, विनोद कुमार रावत आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन दीपक जदली ने किया।

चोरी की कार बरामद, आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कुछ दिन पूर्व भाबर क्षेत्र के अंतर्गत क्रेडल प्ले पब्लिक स्कूल के समीप से चोरी हुई कार को पुलिस ने बरामद कर दिया है। उक्त मामले में पुलिस ने दो नाबालिग को भी गिरफ्तार किया है।

मामले में बीते दिवस मनीष आर्य की ओर से कोतवाली कोटद्वार में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें बताया गया कि वह अपने परिवार के साथ 13 अप्रैल 2026 को कोटद्वार सगाई में आए थे। उन्होंने अपनी कार क्रेडल पब्लिक स्कूल निंबूचौड़ के सामने खड़ी की हुई थी। बताया कि कार में कुछ जेवर और अन्य कीमती सामान भी था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। कोतवाली प्रभारी प्रदीप नेगी ने बताया कि छानबीन के दौरान तीन युवकों की संलिप्तता सामने आई। मामले में जिला ऊधमसिंह नगर के अंतर्गत थाना गदरपुर के ग्राम बड़ाखेड़ा निवासी ध्रुव दुआ को गिरफ्तार किया है। जबकि जिला उधमसिंह नगर के अंतर्गत थाना रूद्रपुर में नीलकंठ मंदिर आदर्श कालोनी निवासी एक अन्य किशोर फरार है। बताया कि दोनों कोटद्वार से कार चोरी कर नजीबाबाद की ओर जा रहे थे। लेकिन, जाफराबाद में पुलिस चैकिंग के चलते आगे नहीं जा पाए और कार को जंगल में छोड़ दिया। बताया कि ध्रुव के खिलाफ जिला ऊधमसिंह नगर में मारपीट व धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं।

विहिप ने उठाई लव जिहाद के खिलाफ सख्ती की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : देश में लगातार बढ़ रहे लव जिहाद की घटनाओं पर विश्व हिंदू परिषद ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि लव जिहाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। विहिप के जिला मंत्री राजेश जदली के नेतृत्व में सदस्यों ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। बताया कि हाल ही में एक प्रतिष्ठान में लव जिहाद जैसी घटना का खुलासा हुआ था। नाबालिग लड़कियों को बहला फुसलाकर उनके साथ दुष्कर्म जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। कहा कि ऐसे में लोगों के खिलाफ सख्त कानून बनाने की आवश्यकता है। साथ ही देश में अवैध लैंड जिहाद भी चरम पर है। बड़ी सख्या में सरकारी भूमि पर कब्जा किया गया है। अतिक्रमणकारियों से सरकारी भूमि मुक्त करवाने के लिए सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। साथ ही देश का माहौल खराब करने वालों पर भी नजर रखी जानी चाहिए। इस मौके पर राधेश्याम शर्मा, दिनेश शर्मा, राजेंद्र आदि मौजूद रहे।

गर्मी का बढ़ता प्रकोप, धधकने लगे जंगल

सुरखेत के जंगलों में लगी आग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गर्मी का पारा चढ़ने के साथ जंगलों ने भी आग पकड़नी शुरु कर दिया है। सुरखेत के जंगलों में लगी आग विद्यालय के आसपास तक पहुंच गई। आग के कारण कई हेक्टेयर में फैली वन संपदा जलकर खाक हो गई। वहीं, कोटद्वार की सीमा पर स्थित बिजनौर वन प्रभाग क्षेत्र के जंगलों में भी आग लग रही है। दरअसल, कई लोग अपने घरों का कूड़ा भी जंगल में फेंक देते हैं। यह भी आग लगने का एक मुख्य कारण है।

सुरखेत में चीड़ के जंगलों में लगी आग विद्यालय भवन के आसपास तक पहुंच गई थी। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं, तल्ला मोटाढाक से सटे बिजनौर वन प्रभाग के जंगल में आग भड़क गई। दरअसल, सुखरो पुल से तल्ला मोटाढाक के मध्य सड़क किनारे आमजन बड़े पैमाने पर वन क्षेत्र में कूड़ा डालते हैं। माना जा रहा है कि इसी कूड़े में लगी आग जंगल की ओर फैली होगी व पूरा जंगल आग की चपेट में आ गया। तेज हवाओं ने इस आग में घी का काम किया और देखते ही देखते जंगल का बड़ा हिस्सा आग की चपेट में आ गया। आग के कारण पूरे क्षेत्र में चारों ओर धुंध छाई हुई थी। धुएं के कारण राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही आए दिन जंगल धधक रहे हैं। आग के कारण शिवराजपुर, जीवानंदपुर सहित आसपास के घरों में रहने वाले परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

मूल्यांकन प्रणाली पर लापरवाही, छात्रसंघ ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लगातार शिकायत के बाद भी मूल्यांकन प्रणाली में सुधार नहीं होने पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के छात्रसंघ पदाधिकारियों ने रोष व्यक्त किया है। इस दौरान सदस्यों ने जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी है।

इस संबंध में विद्यार्थियों ने श्री देव सुमन विश्व विद्यालय को ज्ञापन भेजा। छात्र संघ अध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय स्वयं की ओर से निर्धारित अध्यादेशों का पालन नहीं कर रहा है। नियमों के अनुसार किसी भी विषय में उत्तीर्ण होने के लिए आंतरिक एवं बाह्य मूल्यांकन को मिलाकर न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। इसके बावजूद कई विद्यार्थियों को अनुत्तीर्ण घोषित किया जा रहा है। विद्यार्थियों ने 120 से अधिक प्रभावित छात्र-छात्राओं की

कोटद्वार में महाविद्यालय प्रशासन के माध्यम ये श्री देव सुमन विश्व विद्यालय को पत्र भेजते छात्र संघ पदाधिकारी

अंकतालिकाओं की प्रतियां भी प्रस्तुत कीं, जो इन विसंगति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि समस्या केवल एक महाविद्यालय तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के कई अन्य महाविद्यालयों के छात्र भी इससे प्रभावित हैं। इस दौरान छात्र प्रतिनिधियों ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता का अभाव है, जिससे छात्रों के शैक्षणिक भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। छात्रों ने अपनी प्रमुख मांगों में 33 प्रतिशत कुल अंक के नियम को तत्काल प्रभाव से लागू करने, पात्र छात्रों की बैक हटाने तथा मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की मांग की है। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही इस संबंध में ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन को मजबूर होंगे।

ग्राम पंचायतों को उत्तराखंड में मिलाने की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार की सीमा से सटे उत्तर प्रदेश नगर पंचायत बढ़ापुर की 125 ग्राम पंचायतों ने उन्हें उत्तराखंड में शामिल करने की मांग की है। कहा कि उत्तर प्रदेश की अंतिम सीमा पर होने के कारण उन्हें बेहतर योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। साथ ही तहसील व प्रशासन से संबंधित कार्यों को पूर्ण करने के लिए भी उन्हें कई किलोमीटर दूर चक्कर काटने पड़ते हैं। इस संबंध में सीमावर्ती संघर्ष समिति के अध्यक्ष मनमोहन दुदपुड़ी ने उत्तराखंड की विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण पर पत्र भेजा। उन्होंने कहा कि पहाड़ के लोगों के बेहतर भविष्य के लिए उत्तराखंड राज्य का गठन किया गया था। इसके लिए कोटद्वार से सटे 125 गांव में रहने वाले ग्रामीणों ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। लेकिन, राज्य गठन के बाद उनकी अनदेखी की गई है। उत्तर प्रदेश सीमा के अंतिम गांव होने के कारण उन्हें बेहतर योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। साथ ही उन्हें तहसील में छोटे कार्य के लिए नजीबाबाद व धामपुर 35 किलोमीटर के चक्कर काटने पड़ते हैं, जिससे उनका धन व समय दोनों बर्बाद होता है। कहा कि इन गांव में रहने वाले 75 प्रतिशत जनसंख्या पहाड़ के लोगों की है, जो अपने दैनिक उपयोग की खरीददारी करने के लिए कोटद्वार आते हैं। सीमा का अंतिम गांव होने के कारण परिवारों को बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं से भी जूझना पड़ता है। कहा कि परिवार बैंक, ट्रेजरी, गैस डीपीडीओ, सीएचएस स्वास्थ्य सेवा व कैंटीन सेवाओं के लिए कोटद्वार व काशीपुर पर निर्भर हैं। ऐसे में वह चाहते हैं कि उन्हें पूरी तरह उत्तराखंड में ही शामिल किया जाए।

क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए जरूरी है एलिवेटेड मार्ग

जयन्त प्रतिनधि। कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर लोगों का धरना शनिवार को भी जारी रहा। लोगों ने मार्ग निर्माण नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चिल्लरखाल वन चौकी के समीप एकत्रित लोगों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस वे का शुभारंभ किया था। इसके बाद अब देहरादून से दिल्ली तक की दूरी मात्र ढाई घंटे की हो जाएगी। कहा कि सरकार को लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण पर भी ध्यान देना चाहिए। इस मार्ग के बनने से केवल कोटद्वार ही नहीं, पूरे गढ़वाल क्षेत्र का विकास होगा। कहा कि यह मार्ग कण्वाश्रम के विकास के लिए भी अति महत्वपूर्ण है। मार्ग बनने के बाद क्षेत्रवासियों को राजधानी देहरादून जाने के लिए उत्तर प्रदेश की सड़क से नहीं जाना पड़ेगा। कहा कि सरकार को मार्ग एलिवेटेड बनाने के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। इस मौके पर रविंद्र सौंद, देवेंद्र रावत, मधुसूदन नेगी, कृपाल सिंह, गणेश रावत, भारत काला, जगदीपक रावत, मोहन जोशी, गोवर्धन काला, नारायण सिंह आदि मौजूद रहे।

सर्तक रहकर करें एआई और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय इंटर कॉलेज कीर्तिनगर में ग्रीन पहाड़ी फाउंडेशन के तत्वावधान में एआई एवं साइबर सिक्योरिटी विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम यूकॉस्ट के सहयोग से संपन्न हुआ। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षक कमलेश जोशी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में गढ़वाल विवि के हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कपिल पंवार और डॉ. अंकित उछोली मौजूद रहे। डॉ. पंवार ने कहा कि वर्तमान समय में नई तकनीकों की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

छात्रों को नशे से दूर रहने की दी सलाह

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला बाल कल्याण समिति पौड़ी गढ़वाल के तत्वावधान में राजकीय बालिका इंटर कालेज थलनदी में अक्षय तृतीया के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के सदस्य कपिल रतूड़ी ने कहा कि किशोर अवस्था में बहुत ही संयमित तरीके से जीवन जीना पड़ता है, जिससे सुखद भविष्य की नींव पड़ती है। बाल विवाह एक सामाजिक अपराध कार्यक्रम में कपिल रतूड़ी ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है, इसे सामाजिक संगठनों सहित स्कूलों के माध्यम से जन जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से ही समाप्त किया जा सकता है। कहा कि आज के सोशल मीडिया के जमाने में छात्रों को बहुत ही संयमित रहना होगा, जिससे वे बाल अपराध की ओर न बढ़ सके और इसके लिए विद्यालय के गुरुजनों सहित छात्रों के अभिभावकों को आगे आना होगा। कहा कि कम उम्र में अथवा बाल उम्र में विवाह करने से शारीरिक

नुकसान के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक नुकसान भी होता है, जिससे जीवन पतन की ओर चला जाता हैं। जिला दत्तक एजेंसी के प्रबन्धक अभिनव नेगी ने छात्रों को उनके व्यवहार में हो रहे परिवर्तन से अवगत कराया। उन्होंने छात्रों को नशा, चोरी, यौन उत्पीड़न आदि विषयों से दूर रहने की सलाह दी। कहा कि बच्चों के किसी प्रकार के शोषण की जानकारी चाइल्ड हेल्प लाइन के माध्यम से जिला बाल कल्याण समिति को दे सकते हैं। चाइल्ड हेल्प लाइन की प्रबन्धक श्रीमती शकुन्तला नयाल ने कहा कि चाइल्ड हेल्प लाइन का नम्बर 1098 रात-दिन खुला रहता है, जिसके माध्यम से 18 वर्ष से कम के बच्चों के साथ हो रही किसी भी प्रकार के शोषण की जानकारी दे सकते हैं। जिला बाल कल्याण समिति पौड़ी के अध्यक्ष राकेश चंद्र बिड़ालिया ने जिलों में बढ़ रहे बाल अपराध की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में बाल कल्याण समिति के समक्ष100 अधिक मामले बाल अपराध के आए हैं। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती रेणु गौड़, शिक्षिका कविता रावत, संगीता, मनीष चंदोला, पुलिस उपनिरीक्षक बृजेश त्रिपाठी, संजीव चौधरी आदि उपस्थित थे।

विद्यार्थियों में अद्भुत कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति की क्षमता

चित्र आधारित काव्य कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का सफल समापन

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में आयोजित तीन दिवसीय 'चित्र आधारित काव्य' कला प्रदर्शनी एवं कार्यशाला शनिवार को सम्पन्न हो गई है। इस सृजनात्मक आयोजन ने विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति, अभिव्यक्ति कौशल एवं कलात्मक प्रतिभा को नई दिशा प्रदान की।

कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति, सुप्रसिद्ध कलाकार एवं साहित्यकार देवेंद्र नैथानी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में अद्भुत कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति की क्षमता है। यदि उन्हें सही दिशा और मंच मिले, तो वे कला और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दे सकते हैं। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों ने जिस उत्साह और रचनात्मकता का परिचय दिया है, वह अत्यंत सराहनीय है। समापन समारोह में विद्यार्थियों द्वारा निर्मित चित्र एवं काव्य की

प्रदर्शनी ने सभी उपस्थित अतिथियों, शिक्षकगण एवं अभिभावकों को अत्यंत प्रभावित किया। इस अवसर पर प्राइमरी वर्ग में बेस्ट ड्राइंग के लिए अधीक्षिता कक्षा 2 एवं अजलान कक्षा 4, जूनियर वर्ग में नव्या अग्रवाल कक्षा 7 तथा सीनियर वर्ग में अर्नव रावत कक्षा 9 को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त बेस्ट क्रिएटिविटी के लिए विद्यालय के चेयरमैन द्वारा दिव्यांशी जुयाल कक्षा 12 को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य विजेन्द्र दत्त सुन्दरियाल ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों के भीतर छिपी सृजनात्मक प्रतिभा को उभारने का एक सफल प्रयास रही है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति और नवाचार की दिशा में भी आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, वीएसएम, कमांडेंट जीआरआरसी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सतत मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं सहयोग से यह भव्य एवं सफल आयोजन संपन्न हो पाया है।

कांग्रेस निकालेगी जवाब दो यात्रा, दस साल का मांगेगी हिसाब

श्रीनगर गढ़वाल : विधानसभा क्षेत्र देवप्रयाग के कीर्तिनगर में कांग्रेस का कार्यकर्ता सम्मेलन शनिवार को आयोजित हुआ। इस मौके पर कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। नगर के कैलाश वैडिंग प्वाइंट में पूर्व कैबिनेट मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी की अध्यक्षता में सम्मेलन आयोजित हुआ। इससे पूर्व कार्यकर्ताओं ने कीर्तिनगर बाजार से कार्यक्रम स्थल तक क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और सड़क सुविधा की बदहाल स्थिति के विरोध में ढोल दमाऊं के साथ रैली निकाली। सभा को संबोधित करते हुए नैथानी सहित पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं पर आक्रोश जताया। कहा कि क्षेत्रीय विधायक और प्रदेश सरकार की ओर से की जा रही क्षेत्र की उपेक्षा के कारण देवप्रयाग में स्वीकृत एनसीसी अकादमी यहां से दूसरी जगह चली गई, लेकिन कभी विधायक ने विधानसभा में यह मुद्दा तक नहीं उठाया।

मंत्री नैथानी ने कहा कि जब वह शिक्षामंत्री थे उस समय क्षेत्र के अधिकतर विद्यालयों को इंटर में उच्चीकृत कर इंटर विज्ञान की मान्यता दिलाई गई थी, लेकिन 10 साल बीत जाने के बाद आज तक इन विद्यालयों में कलावर्ग के पद सृजित नहीं किए गए हैं। कहा कि अब कांग्रेस भाजपा के खिलाफ जवाब दो यात्रा निकालेगी और 10 साल का हिसाब मांगेगी। कहा बेरोजगारी चरम पर है।

अनंत समृद्धि का दिन है अक्षय तृतीया

रमेश सर्राफ धमोरा

अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

हमारे देश में समय-समय पर बहुत से त्यौहार मनाये जाते हैं। इसलिए हमारे देश को त्योहारों का देश भी कहते है। हिन्दू धर्मावलम्बियों के प्रमुख त्योहारों में से एक अक्षय तृतीया है जिसे हम आखा तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया देश भर में हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य इस शुरू होता है वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्यौहार हर वर्ष वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को है।

अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था। इसीलिये इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाये थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी। और पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरूआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है।

अक्षय तृतीया वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है। हिंदू परिवारों के लिए यह दिन बहुत ज्यादा महत्व रखता है।

अक्षय शब्द का अर्थ होता है कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता होता है। जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में वैसाख के वसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखातीज नाम से भी जानते हैं। जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला। इसलिए माना जाता है की यह दिन हमारे लिए वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। अक्षय शब्द का अर्थ होता है जो कभी खत्म न हो। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों, जैसे जप, यज्ञ, दान-पुण्य, का पुण्य कभी भी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाए उतने हमें हमारे लिए कम है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है जिसे दान और पुण्य कार्य करने के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। अक्षय तृतीया के दिन यूं तो आप किसी भी देवी-देवता की पूजा कर सकते हैं। लेकिन विशेष रूप से इस दिन माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और धन के देवता कुबेर की पूजा करने का विधान है। अन्य त्योहारों की तरह इस त्यौहार में भी दीपक जलाते हैं। इस दिन किया गया परोपकार हमारे लिए जीवन को सुखी बना देता हैं। इसीलिए इस दिन लोग गरीबों को भोजन कराते हैं तथा उनकी सहायता करते हैं।

माना जाता है कि इस दिन किए गए पुण्य हमारे लिए स्वर्ग में जगह बनाते हैं। इस दिन कई लोग जागरण रखकर हवन करते हैं तथा गरीबों को दान देते हैं। कई लोग अपने नए घर में मुहूर्त के हिसाब से प्रवेश करते हैं। अक्षय तृतीया का पौराणिक महत्व भी है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। द्वापर युग का समापन और महाभारत युद्ध का समापन भी इसी तिथि को हुआ था। देश के अनेक हिस्सों में इस तिथि का अलग-अलग महत्व है। जैसे उड़ीसा और पंजाब में इस तिथि को किसानों की समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। तो बंगाल में इस दिन गणपति और लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है।

इतना पवित्र पर्व होने के उपरांत भी इस दिन बड़ी संख्या में होने वाले बाल विवाह इस पर्व के महत्व को कम करते हैं। अबूझ सावा मानकर बड़ी संख्या में लोग अपने नाबालिक बच्चों की इस दिन शादी कर देते हैं। कम उम्र के बच्चों के विवाह रोकने के लिए इस दिन प्रशासन को विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। राजस्थान सहित कई प्रदेशों में तो अक्षय तृतीया का दिन बाल विवाह के लिए बदनाम हो चुका है। विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है।

देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। ऐसे पवित्र दिन का महत्व बनाए रखने के लिए समाज को इस दिन होने वाली कुरीतियों पर रोक लगाकर एक सकारात्मक संदेश देना होगा। तभी सार्थकता बनी रह पाएगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम— प्रतिनिधित्व से राष्ट्रनिर्माण तक

श्रीमती रूपकुमारी चौधरी

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः — यह केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत संस्कृति का उद्घोष रहा है। लेकिन पूजा और सम्मान से आगे बढ़कर, आज का भारत अधिकार, अस्तित्व और नेतृत्व की बात कर रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक वैधानिक प्रलेख नहीं है, बल्कि सदियों से बंद उन द्वारों की कुंहे जिसके पीछे भारत की आधी आबादी का सामर्थ्य अवरुद्ध था। यह अधिनियम किसी पर किया गया उपकार नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक अन्याय का परिमार्जन है जो कालचक्रने महिलाओं के साथ किया। आज महिलाएं आरक्षण इसलिए नहीं मांग रही हैं कि वे निर्बल हैं; वे इसलिए मांग रही हैं क्योंकि राष्ट्र की नीति—निर्धारण की सर्वोच्च आसंदी पर उनका स्थान रिक्त है। भारत का लोकतंत्र केवल निर्वाचन की व्यवस्था मात्र नहीं, बल्कि एक जीवंत सामाजिक अनुबंध है, जिसकी पूर्णता महिलाओं की निर्णायक भागीदारी के बिना असंभव है। आज जब हम इस ऐतिहासिक उपलब्धि का उत्सव मनाने तत्पर हो रहे हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि यह अधिनियम दशकों से अधर में लटका हुआ था। पूर्व की सरकारों में इच्छाशक्ति का अभाव था, जिसके कारण नारी शक्ति का यह अधिकार फाइलों में दबा रहा। यह अधिनियम केवल और केवल देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अदम्य इच्छाशक्ति और दूरदर्शी सोच का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने अमृत काल के इस दौर में यह सिद्ध कर दिया है कि उनके लिए नारी शक्ति केवल एक मतदाता समूह नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। मोदी ने अपनी माता और बहनों के प्रति जो संवेदनशीलता दिखाई है, वह अद्वितीय है। चाहे वह रसोई के धुएँ से मुक्ति दिलाने वाली उज्ज्वला योजना हो, घर—घर शौचालय बनवाकर महिलाओं को सम्मान देने वाला स्वच्छ भारत मिशन हो, या फिर हर घर जल पहुँचाकर माताओं के जीवन को सुगम बनाने का संकल्प—प्रधानमंत्री ने सदैव एक हितेभाई और पुत्र की भांति देश की महिलाओं की मूलभूत समस्याओं को समझा और उन्हें हल किया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम उनके इसी अटूट समर्पण की अगली कड़ी है, जो महिलाओं को लाभार्थी से उठाकर नेतृत्वकर्ता की श्रेणी में खड़ा करती है। जब हम सामर्थ्य की बात करते हैं, तो अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत की बेटियों ने वह कर दिखाया है जिसकी कल्पना भी कठिन थी। रितु करिधाल जी, जिन्हें भारत की रॉकेट वुमन कहा जाता है, उनकी कहानी लखनऊकी तंग गलियों से शुरू होकर मंगल ग्रह की कक्षाओं तक पहुँचती है। मंगलयान मिशन में डिप्टी ऑपरेशन्स डायरेक्टर के रूप में उन्होंने वह जटिल गणित और गणनाएँ कीं, जिन्होंने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल पर पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। एक माँ और एक वैज्ञानिक के दायित्वों के बीच संतुलन बिठाते हुए रितु ने सिद्ध किया कि महिला का प्रबंधन कौशल ब्रह्माण्ड की जटिलताओं को भी सुलझा सकता है।

वहीं, मुथैया वनिता जी का नाम भारत के चंद्रयान—2 मिशन के साथ स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। वे इसरो के इतिहास में किसी अंतरग्रहीय मिशन का नेतृत्व करने वाली पहली महिला प्रोजेक्ट डायरेक्टर बनीं। एक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम इंजीनियर के रूप में उनका अनुभव और डेटा को समझने की उनकी अद्भुत क्षमता ने भारत के चंद्र अभियान को एक नई ऊँचाई दी। वनिता की सफलता यह संदेश देती है कि जब जटिल इंजीनियरिंग और तकनीक की बात आती है, तो भारत की बेटियाँ केवल सहभागी नहीं, बल्कि सर्वोपरि मार्गदर्शक हैं। इन दोनों वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया कि अब आसमान भी भारत की बेटियों की सीमा नहीं है।

परंतु मातृशक्ति की यह उड़ान केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं रही। जब हम वैश्विक क्षितिज पर देखते हैं, तो कल्पना चावला का नाम हमारे सामने आता है, जिन्होंने करनाल की मिट्टी से उठकर अंतरिक्ष के तारों तक पहुँचने का साहस दिखाया। वे आज भी हर उस बेटी के लिए प्रेरणा हैं जो अभावों के बीच बड़े सपने देखती हैं। महिला नेतृत्व की प्रभावशीलता का एक और प्रकाश स्तंभ सुषमा स्वराज जी का कार्यकाल रहा। उन्होंने विदेश मंत्रालय को रायसीना हिल्स की फाइलों से निकालकर आम नागरिक के द्वार तक पहुँचा दिया। उन्होंने सिद्ध किया कि कूटनीति केवल मेज पर होने वाले समझौतों का नाम नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता का नाम है। उनका वह आश्वासन आज भी गूँजता है— यदि आप मंगल ग्रह पर भी फँसे हैं, तो भारतीय दूतावास वहाँ आपकी मदद करेगा। ऑपरेशन राहत के माध्यम से हजारों भारतीयों को सुरक्षित बचाना और वैश्विक मंचों पर हिंदी की गर्जना करना, उनके सशक्त नेतृत्व का प्रमाण था। शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में भी बदलाव की लहर स्पष्ट है।

चिंतन-मनन

अहंकार से ज्ञान का नाश

अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है। अहंकार से ज्ञान का नाश हो जाता है। अहंकार होने से मनुष्य के सब काम बिगड़ जाते हैं। भगवान कण-कण में व्याप्त है। जहाँ उसे प्रेम से पुकारो वहीं प्रकट हो जाते हैं। भगवान को पाने का उपाय केवल प्रेम ही है। भगवान किसी को सुख-दुख नहीं देता। जो जीव जैसा कर्म करेगा, वैसा उसे फल मिलता है। मनुष्य को हमेशा शुभ कार्य करते रहना चाहिए।

कभी किसी को नहीं सताओ : धर्मशास्त्र के श्रवण, अध्ययन एवं मनन करने से मानव मात्र के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भावना एवं मयार्दा का उदय होता है। हमारे धर्मग्रंथों में जीवमात्र के प्रति दुर्विचारों को पाप कहा है और जो दूसरे का हित करता है, वही सबसे बड़ा धर्म है। हमें कभी किसी को नहीं सताना चाहिए। और सर्व सुख के लिए कार्य करते रहना चाहिए।

गुप्तदान महादान : मनुष्य को दान देने के लिए प्रचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि दान में जो भी वस्तु दी जाए, उसको गुप्त रूप से देना चाहिए। हर मनुष्य को भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करना चाहिए। जीवन में किसी से कुछ भी माँगो तो छोटा बनकर ही माँगो। जब तक मनुष्य जीवन में शुभ कर्म नहीं करेगा, भगवान का स्मरण नहीं करेगा, तब तक उसे सद्बुद्धि नहीं मिलेगी।

मृत्यु से कोई नहीं बच पाया : धन, मित्र, स्त्रि तथा पृथ्वी के समस्त भोग आदि तो बार-बार मिलते हैं, किन्तु मनुष्य शरीर बार-बार जीव को नहीं मिलता। अतः मनुष्य को कुछ न कुछ सत्कर्म करते रहना चाहिए। मनुष्य वही है, जिसमें विवेक, संयम, दान-शीलता, शील, दया और धर्म में प्रीति हो। संसार में सर्वमान्य यदि कोई है तो वह है मृत्यु। दुनिया में जो जन्मा है, वह एक न एक दिन अवश्य मरेगा। सृष्टि के आदिकाल से लेकर आज तक मृत्यु से कोई भी नहीं बच पाया।

महिला विधेयक बिल के पास ना होने के कई कारण

संजय गोस्वामी

महिला विधेयक बिल नहीं पास हुआ दरअसल महिलाओ से ज्यादा पुरुष परेशान है क्योंकि उसे घर माता पिता और सभी का ख्याल रखना पड़ता है और स्त्री पुरुष में भेदभाव करना सही नहीं ऐ सभी दलों के लोगों ने सोचा होगा आज बंगाल में चुनाव है इसलिए ऐ बिल 2014 से अब क्यों लाया गया।

मयार्दा पुरषोत्तम भगवान राम है इसलिए वो पुरुष हैं जो पुरुष होते हैं उनका मन चंचल नहीं होता और में इसलिए राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है। इसलिए कि यह एक प्रमुख धार्मिक मान्यता है जो हिंदू धर्म में प्रचलित है। पुरुषोत्तम शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है, जिसमें पुरुष का अर्थ होता है मनुष्य और उत्तम का अर्थ होता है श्रेष्ठ या सर्वोत्कृष्ट। इस शब्द का श्री राम के लिए प्रयोग किया जाता है ताकि इससे उनकी परम गुणवत्ता और पूर्णता का संकेत दिया जा सके।श्री राम का जीवन अपने चिंतन और चरित्र से मनुष्य की संपूर्ण गरिमा को चरितार्थ करता है। मनुष्य किस स्तर तक विकसित हो कि उसमें भागवत चेतन प्रकट हो सके। इस प्रश्न का उत्तर श्रीराम के चरित्र में मिलता हैं। देवर्षि नारद ने वालमीकि से पूछा था कि संसार में गुणवान,तेजस्वी,धर्मज्ञ उपकार मानने वाला, सत्यव्रती, दृढ़ प्रतिज्ञ, सदाचार से युक्त, सबका हितैषी ,प्रियदर्शी,जितेंद्रिय,क्रोध और समस्त आवेगों पर नियंत्रण रखने वाला,कीर्तिमान और अनिंद्य कौन है। ऐसा कौन सा पुरूष है जो दूसरों को जीतने की कामना नहीं रखता और स्वयं अजेय है ? महर्षि वाल्मीकि इस प्रश्न के उत्तर में रामचरित सुनाते हैं। राम के राज्य में रमणीयता ही रमणीयता सर्वत्र नजर आती थी। प्रत्येक कार्य यज्ञ की भावना से सम्पन्न होता था। असत्य, अधर्म, अन्याय, अत्याचार, आतंक आदि आसुरी प्रवृत्तियों के लिए कहीं कोई स्थान नहीं था। पारस्परिक प्रेम,सद्भावना और सहयोग से प्रेरित होकर सभी लोग अपने-अपने कार्य अपनी-अपनी योग्यता के अनुसार करते रहते थे। प्रत्येक व्यक्ति सार्वजनिक हित की भावना से ही प्रत्येक कार्य को करने लगता था। किसी को किसी के प्रति कोई शिकायत नहीं होती थी और न किसी के मन में किसी के प्रति द्वेष था। सभी लोग राम का नाम लेकर रामराज्य का गुणगान करते हैं और हृदय से चाहते थे कि यह राज्य अनंत काल तक चलता रहे। इसीलिए राम किसी एक युग का या जग का नहीं बल्कि विश्व का है। वे शासक नहीं परिपालक हैं। राम और हिन्दुस्तान का जनमानस दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। श्रीराम का चरित्र भारतीय संस्कृति के आदर्शवाद का उज्जवल प्रतीक बन गई है। श्री राम के चरित्र को देखकर कोई भी व्यक्ति या समूह अपना चरित सुधार सकता है। राम आदर्श गृहस्थ हैं ,वनवासी हैं ,राजा भी हैं ,नागरिक भी हैं ,स्तरीय समाज का निर्माण ही उनका उद्देश्य है। श्री राम हिंदू धर्म के एक प्रमुख अवतार माने जाते हैं, जिन्हें पुराणों और एपिक महाकाव्य रामायण में प्रमुखता से वर्णित किया गया है। उन्हें अदार्श पुरुष, धर्मात्मा, न्यायप्रिय, सामरिक कुशल, प्रेमी पति, सदभक्त, धर्म का पालन करने वाले और भक्तों के लिए प्रेरणा स्त्रोत के रूप में माना जाता है। इसलिए श्री राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है।इसलिए जब तक भगवान राम रहेंगे तब तक किसी से भेदभाव नहीं करेंगे, नर और नारी एक समान सब है प्रभु राम की संतान। इसी इस बात से समझ सकते हैं भगवान राम पुरुष के रूप में ही आखिर जन्म क्यों लिए उन्हें अन्त करना था ऐसे रावण को जो अधर्मी था और घमंड और सर्वशक्तिमान समझता था इसलिए भगवान राम को धर्म और मानवता को बचाने के लिए एक लम्बी लड़ाई रावण से लड़नी थी यदि महिला होते परिवार होता तो महिलाओ को 9 महीने तक गर्भ धारण करना पड़ता जो लड़ाई में बाधा क्या लड़ ही नहीं पाते, यह सच है कि यदि आपके देश में अचानक कोई युद्ध छेड़ देता है और उस वक़्त महिला सैनिक यदि गर्भवती हो तो युद्ध कैसे करेगी, आजकल इसी समस्या को देखते हुए सरकार ने 2 साल का चाइल्ड केयर लीव मिलता है लेकिन सेना में युद्ध की परिस्थिति में गर्भवती हो तो युद्ध में शामिल नहीं हो सकती है इसलिए नारी में ममता होता है और अपने बच्चे को सही तरीके से पालन पोषण चाहिए इसलिए बिल ना पास के इस मुद्दे को लोकसभा से चुने गए सांसद को महिला विरोधी नहीं कहा जा सकता लोकतान्त्रिक व्यवस्था ही देश की दिशा तय करती है इसपर निराश भी नहीं होने की जरुरत है आप यदि जानकार होंगे विद्वान होंगे तो आपको लोग आज शिक्षा के व्यवसाय में नौकरी से ज्यादा इनकम होगा और जब चाहे आप छुट्टी ले ले और ऑनलाइन क्लास चालू करें लेकिन एक बात का हमेशा ध्यान देना शादी के बाद अपने सास ससुर की सेवा करना इससे अच्छा संस्कार मिलेगा और चुगली शिकायत से बचेगे क्योंकि बूढ़े लोग बेटा पर आश्रित होते हैं जब बेटा की पत्नी ही उसके माँ बाप की कद्र ना करें तो परिवार टूटेगा और संस्कार नष्ट होगा जो बहुत मुश्किल से मिलता है।

'वात्सल्य पीठ': करुणा, साधना और आत्मोन्नति का दिव्य तीर्थ

ललित गर्ग

दिल्ली जैसे महानगर की आपाधापी, भागदौड़ और संवेदनहीनता के बीच यदि कोई ऐसा स्थान निर्मित हो, जहाँ पहुंचते ही मन शांत हो जाए, आत्मा को विश्राम मिले और जीवन को एक नई दिशा का बोध हो, तो निश्चय ही वह स्थान साधारण नहीं, बल्कि दिव्यता का स्पंदित केन्द्र होता है। 'वात्सल्य पीठ' ऐसा ही एक अनुपम आध्यात्मिक तीर्थ बनकर उभरा है, जो शासनमाता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी की स्मृतियों को संजोए हुए न केवल तेरापंथ धर्मसंघ के अनुयायियों के लिए, बल्कि समस्त मानवता के लिए शांति, साधना और आत्मिक उन्नति का केन्द्र बनने जा रहा है। 19 अप्रैल 2026 को इसके उद्घाटन का पावन अवसर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक युगीन चेतना के जागरण एवं आध्यात्मिक अनुभवों का प्रतीक है। यह वही पावन भूमि है, जहाँ साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी ने अपने तप, त्याग और आत्म-साधना के अनेक अमूल्य क्षण व्यतीत किए एवं यह वही सिद्ध भूमि है जहां उन्होंने देह से विदेह होने की यानी निर्वाण यात्रा की है और इसी भूमि पर उनका दाह-संस्कार हुआ। आज वही भूमि 'वात्सल्य पीठ' के रूप में एक ऐसे जीवंत तीर्थ में परिवर्तित हो चुकी है, जहाँ हर कण में वात्सल्य की मधुरता और साधना की गंभीरता अनुभव की जा सकती है। यहाँ का वातावरण मानो स्वयं बोलता है, यहाँ शांति केवल शब्द नहीं, बल्कि अनुभूति है, यहाँ अध्यात्म केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का साक्षात स्पर्श है। इस स्थल पर पहुंचकर ऐसा लगता है कि जीवन की समस्त अशांति, व्याकुलता और तनाव धीरे-धीरे विलीन हो रहे हैं और आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप की ओर लौट रही है।

'वात्सल्य पीठ' की संरचना और सज्जा भी अपने आप में अत्यंत अद्वितीय और आकर्षक है। इसकी वास्तुकला में आधुनिकता और आध्यात्मिकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। खुले आकाश की ओर उन्मुख इसकी रचना, प्राकृतिक प्रकाश के लिए बनाए गए स्काईलाइट्स, स्वच्छ वायु के संचार के लिए संतुलित वेंटिलेशन, और सादगी में निहित गरिमामयी भव्यता-ये सभी तत्व इसे एक सजीव ध्यान-स्थली का रूप प्रदान करते हैं। यहाँ की प्रत्येक दीवार, प्रत्येक मार्ग और प्रत्येक कोना जैसे एक मौन संदेश देता है कि जीवन का उद्देश्य बाहरी चकाचौंध में नहीं, बल्कि आंतरिक प्रकाश की खोज में है। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का शाश्वत मंत्र यहाँ की संरचना में साकार रूप से अनुभव किया जा सकता है। इसकी सज्जा कृत्रिम आडंबर से दूर, सहज और सात्विक है, जो साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा के व्यक्तित्व की ही तरह निर्मल, शांत और प्रभावशाली प्रतीत होती है।

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का व्यक्तित्व अपने आप में एक विलक्षण प्रेरणा है। वे केवल एक साध्वी नहीं थीं, बल्कि वात्सल्य की मूर्ति, ज्ञान की गंगा और सृजन की सजीव सरस्वती थीं। अल्पायु में ही आचार्य तुलसी के सान्निध्य में दीक्षित होकर उन्होंने अपने जीवन को साधना, सेवा और सृजन के लिए समर्पित कर दिया। मात्र 17 वर्ष की आयु में उन्होंने जिस आध्यात्मिक पथ का वरण किया, वह आगे चलकर एक विराट साध्वी संघ के संचालन और मार्गदर्शन तक पहुँचा। लगभग सात सौ से अधिक साध्वियों के विशाल परिवार का नेतृत्व करना अपने आप में एक अद्भुत उपलब्धि है और यह तब और भी विशिष्ट हो जाता है जब उसमें अनुशासन के साथ-साथ वात्सल्य और संवेदना का संतुलन भी बना रहे। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि नारी केवल करुणा और ममता की प्रतीक नहीं, बल्कि संगठन, नेतृत्व और सृजन की भी अद्वितीय शक्ति है। उनका जीवन एक दीपशिखा की भांति था, जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश प्रदान करती रही। उनकी वाणी में ओज, विचारों में गहराई और आचरण में ऐसी पवित्रता थी, जो हर व्यक्ति को प्रभावित और प्रेरित करती थी। वे केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि साहित्य, शिक्षा और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने अनेक साहित्यिक कृतियों की रचना और संपादन किया तथा आचार्य तुलसी की आत्मकथा 'मेरा जीवन मेरा दर्शन' के संपादन में भी अपनी अद्वितीय प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी लेखनी में संवेदनशीलता, अभिव्यक्ति में माधुर्य और चिंतन में गहराई का अद्भुत समन्वय था। वे एक सफल साध्वी, कुशल प्रशासक, प्रभावशाली वक्ता और संवेदनशील कवयित्री के रूप में जानी जाती थीं।

'वात्सल्य पीठ' का निर्माण केवल एक स्मारक के रूप में नहीं किया गया है, बल्कि इसे एक जीवंत आध्यात्मिक केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है। यह स्थान आने वाले समय में एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ न केवल श्रद्धालु, बल्कि जीवन में शांति-दिशा की खोज करने वाला प्रत्येक व्यक्ति आकर्षित होगा। यहाँ आने वाला हर व्यक्ति अपने भीतर एक नई ऊर्जा, एक नई सकारात्मकता और एक नए संकल्प का अनुभव करेगा। यह स्थान व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और यही जुड़ाव उसे समाज, संस्कृति और मानवता के प्रति अपने दायित्वों का भी बोध कराता है।

शासन माता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का संपूर्ण जीवन वात्सल्य की ऐसी निर्मल धारा था, जिसने न केवल तेरापंथ साध्वी संघ को, बल्कि जन-जन के अंतर्मन को भी स्नेह, करुणा और आत्मीयता से आप्लावित किया। उनके व्यक्तित्व में वात्सल्य केवल एक गुण नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना थी, एक ऐसी करुणामयी ऊर्जा, जो हर मिलने वाले को अपनेपन के आलोक में भर देती थी। वे अनुशासन की अधिष्ठात्री होते हुए भी ममता की मूर्ति थीं, उनके सान्निध्य में कठोरता भी कोमलता में बदल जाती थी। उन्होंने सैकड़ों साध्वियों का नेतृत्व केवल व्यवस्था से नहीं, बल्कि माँ की तरह स्नेहिल संरक्षण देकर किया और यही कारण था कि उनके व्यक्तित्व में 'शासन' और 'माता' का अद्भुत संगम साकार हुआ। उनके प्रेम, संवेदना और वात्सल्य की असीम अनुकम्पा से अनगिनत जीवन स्पर्शित, परिवर्तित और आलोकित हुए। इसी वात्सल्य-रस से आप्लावित उनके जीवन की स्मृतियों को सहेजने के लिए 'वात्सल्य पीठ' नाम पूर्णतः सार्थक और उपयुक्त प्रतीत होता है, क्योंकि यह केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि उस दिव्य मातृत्व, उस अनंत करुणा और उस जीवनदायी स्नेह का प्रतीक है, जिसे साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में जिया और जन-जन तक पहुँचाया।

आज के समय में, जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने भीतर की शांति और संतुलन खोता जा रहा है, ऐसे में 'वात्सल्य पीठ' जैसे केन्द्र अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। यह हमें स्मरण कराता है कि

जीवन का वास्तविक सुख बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और आत्मिक उन्नति में निहित है। साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा जी का जीवन इसी सत्य का सजीव उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह संदेश दिया कि साधना से आत्मा का उत्थान होता है, सेवा से समाज का निर्माण होता है और सृजन से संस्कृति का संवर्धन होता है। 'वात्सल्य पीठ' इसी त्रिवेणी-साधना, सेवा और सृजन का साकार रूप है। यह स्थान न केवल अतीत की गौरवगाथा को संजोए हुए है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक प्रेरणास्रोत है। यहाँ की हर ईंट, हर पत्थर और हर संरचना में साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के जीवन मूल्यों की झलक दिखाई देती है। यह स्थल उनके व्यक्तित्व का प्रतिबिंब ही नहीं, बल्कि उनके विचारों और साधना का जीवंत विस्तार है।

निस्संदेह, आने वाले समय में 'वात्सल्य पीठ' एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ से शांति, करुणा और आध्यात्मिकता की किरणें चारों ओर फैलेगी। यह स्थान जन-जन को यह प्रेरणा देगा कि जीवन की सच्ची यात्रा बाहर नहीं, भीतर की ओर होती है, और उसी यात्रा में आत्मा को उसका वास्तविक आनंद, शांति और मुक्ति का अनुभव प्राप्त होता है। वास्तव में, 'वात्सल्य पीठ' केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक अनुभूति है-एक ऐसी अनुभूति, जो मन को शांत करती है, आत्मा को जागृत करती है और जीवन को सार्थक बनाती है। यहाँ आकर हर व्यक्ति यही अनुभव करेगा कि जब जीवन में वात्सल्य, करुणा और साधना का संगम होता है, तभी जीवन अपने वास्तविक अर्थ को प्राप्त करता है। यही इस दिव्य स्थल की सबसे बड़ी उपलब्धि और विशेषता है।

'वात्सल्य की छाया में जब आत्मा को विश्राम मिलेगा,
तभी जीवन का हर क्षण प्रभु-स्मरण में धाम मिलेगा।'

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप फिर दे सकते हैं कैमरन हैमिल्टन को फ़ेमा की कमान, पहले कर चुके हैं बर्खास्त

हैमिल्टन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी नेवी सील कैमरन हैमिल्टन को फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फ़ेमा) का स्थायी प्रशासक नियुक्त करने पर विचार कर रहे हैं, जो कि एक चौकाने वाला घटनाक्रम है। क्योंकि पिछले साल ही ट्रंप प्रशासन ने उन्हें इस पद से हटा दिया था। हैमिल्टन पूर्व अमेरिकी नेवी सील रह चुके हैं। हैमिल्टन पिछले साल जनवरी से मई तक फेमा के अंतरिम प्रमुख के रूप में काम कर रहे थे। लेकिन उन्हें कैपिटल हिल में यह गवाही देने के एक दिन बाद उन्हें निकाल दिया गया कि वह उस ऑर्गनाइजेशन को खत्म करने के प्रपोजल से सहमत नहीं हैं। ट्रंप ने बार-बार इस एजेंसी को भंग करने का विचार रखा था। हैमिल्टन ने सदन की एक समिति के सामने साफ कहा था कि फेमा को खत्म करना अमेरिकी जनता के हित में नहीं होगा। इस बयान के अगले ही दिन उन्हें पद से हटा दिया गया था। फेमा अमेरिका में आपदाओं के समय राहत कार्यों का तालमेल बिठाने वाली मुख्य एजेंसी है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अब तक इस एजेंसी का कोई स्थायी प्रमुख नहीं रहा है। फिलहाल यह एजेंसी अपने तीसरे अस्थायी नेता के भरोसे चल रही है। जानकारों का कहना है कि स्थायी नेतृत्व न होने से एजेंसी की कार्यक्षमता पर बुरा असर पड़ता है। सूत्रों के अनुसार, ट्रंप ने बुधवार को हैमिल्टन को इस पद का प्रस्ताव दिया है। हालांकि व्हाइट हाउस ने अभी इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। इस खबर की जानकारी सबसे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स ने दी थी। हैमिल्टन की नियुक्ति से अब इस महत्वपूर्ण एजेंसी को एक स्थायी नेतृत्व मिलने की उम्मीद है।

जिम्बाब्वे में मिनीबस में लगी आग, करीब 18 लोगों की मौत

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे में गुरुवार को एक मिनीबस टैक्सी में भीषण आग लगने से करीब 18 लोगों की मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता पॉल न्याथी के अनुसार, मृतकों की सटीक संख्या का अभी सत्यापन किया जा रहा है, लेकिन यह आंकड़ा लगभग 18 बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि यह मिनीबस देश के दूसरे सबसे बड़े शहर बुलावायो के पास एक हाईवे पर अचानक आग की लपटों में घिर गई। हालांकि, आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है और मामले की जांच जारी है। जिम्बाब्वे में मिनीबस टैक्सियां सार्वजनिक परिवहन का एक प्रमुख साधन हैं, लेकिन इनमें अक्सर क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाया जाता है, जिससे ऐसे हादसों का खतरा बढ़ जाता है।

पाकिस्तान में गैस पाइपलाइन फटने से आठ की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार को गैस पाइपलाइन में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला और एक बच्ची भी शामिल हैं। यह हादसा हरिपुर जिले के हत्तर इंडस्ट्रियल एस्टेट इलाके में हुआ। बचाव दल के अधिकारियों के अनुसार, ग्रैंड ट्रंक रोड के पास एक ग्राइंडिंग मिल के नजदीक पाइपलाइन में धमाका हुआ, जिससे भीषण आग लग गई। धमाके के बाद पास का एक मकान भी आग की चपेट में आ गया, जिससे नुकसान और बढ़ गया तथा राहत कार्य में मुश्किलें आईं। हरिपुर के जिला पुलिस अधिकारी के मुताबिक, अब तक चार महिलाओं और छह बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया है। इस हादसे में कई महिलाएं और बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। आग पर काबू पाने और घायलों को बचाने के लिए राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। हरिपुर के डिप्टी कमिश्नर वसीम अहमद ने बताया कि ज्यादातर मौतें दम घुटने के कारण हुई हैं।

न्यूयॉर्क मेयर जोहरान ममदानी की पत्नी ने अपने पुराने आपत्तिजनक पोस्ट पर मांगी माफी

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी की पत्नी रामा दुवाजी ने कई वर्ष पहले किए गए अपने एक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। यह मामला तब सामने आया जब एक कंजर्वेटिव मीडिया संस्थान ने उनकी पुरानी ऑनलाइन गतिविधियों को खंगालकर उजागर किया। एक इंटरव्यू में दुवाजी ने कहा कि उन्हें अपने पुराने पोस्ट को लेकर गहरी शर्मिंदगी महसूस होती है। उन्होंने कहा, '15 साल की उम्र में उन्होंने वह पोस्ट किया था, लेकिन उम्र कोई बहाना नहीं हो सकती। मैंने जो भाषा इस्तेमाल की, वह दूसरों के लिए नुकसानदेह थी।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने लोगों की प्रतिक्रियाएं पढ़ीं और समझा कि मैंने उन्हें कितना आहत किया। इसके लिए मैं दिल से माफी मांगती हूं। हालांकि, दुवाजी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किन-किन पोस्ट की बात कर रही हैं और न ही उन्होंने इस्राइल से जुड़े अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणी की, जिन पर भी विवाद हुआ है।

भारतीय मूल की महिला को अमेरिका में आईसीई ने हिरासत में लिया

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में भारतीय मूल की 53 वर्षीय महिला मीनू बत्रा को इमिग्रेशन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है। मीनू बत्रा का आरोप है कि गिरफ्तारी के बाद उन्हें 24 घंटे तक बिना खाना-पानी के रखा गया और कई दिनों तक दवाइयां भी नहीं दी गईं। उन्होंने कहा है कि उनके साथ क्रिमिनल्स जैसा बर्ताव किया गया जबकि वे 35 सालों से अमेरिका में रह रही हैं। वहीं मीनू बत्रा का बेटा अमेरिकी सेना का हिस्सा है। जानकारी के मुताबिक मीनू बत्रा को 17 मार्च को हार्लिंजेन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया था, जब वह काम के सिलसिले में मिलवॉकी जा रही थीं। फिलहाल वह रेमंडविल के एल वैले डिटेंशन सेंटर में बंद हैं। उन्होंने अदालत में दाखिल याचिका में यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों ने उन्हें हथकड़ी लगाकर फोटो खिंचवाने के लिए मजबूर किया।

मीनू बत्रा ने लगाए आरोप : अपने बयान में मीनू बत्रा ने बताया कि सुरक्षा जांच के बाद कुछ अधिकारियों ने उन्हें रोका और उनकी इमिग्रेशन स्थिति के बारे में पूछा। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि उनके खिलाफ डिपोर्टेशन का आदेश है। हालांकि बत्रा ने कहा है कि उनके पास 'विदहोल्डिंग ऑफ रिमूवल' के तहत वैध काम करने की अनुमति है, जो उन्हें साल 2000 में मिली थी। मीनू बत्रा ने बताया कि एक अधिकारी ने उनसे कहा, 'इसका मतलब यह नहीं है कि आप यहां हमेशा रह सकती हैं।' इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। मीनू बत्रा का आरोप है कि गिरफ्तारी के बाद उनसे हाथ पीछे करके फोटो खिंचवाए गए ताकि ऐसा लगे कि वह हथकड़ी में हैं। उन्होंने कहा कि ये तस्वीरें सोशल मीडिया के लिए ली गईं। उन्होंने कहा, 'इससे मुझे बहुत अपमानित महसूस हुआ और मेरे साथ अपराधी जैसा व्यवहार किया गया।' हिरासत के दौरान उनकी तबीयत भी बिगड़ गई। उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है और कुछ ही दिनों में उनकी आवाज भी चली गई। सिख दंगे में मारे गए माता-पिता

मीनू बत्रा का अतीत भी काफी मुश्किलों भरा रहा है। उन्होंने बताया कि 1980 के दशक में भारत में सिख विरोधी हिंसा के दौरान उनके माता-पिता की हत्या हो गई थी, जिसके बाद वह अमेरिका चली गई थीं। वह पिछले 35 साल से अमेरिका में रह रही हैं और टेक्सास में हिंदी, पंजाबी और उर्दू की एकमात्र लाइसेंस प्राप्त कोर्ट इंटरप्रेटर हैं। उन्होंने 20 साल से ज्यादा समय तक इमिग्रेशन कोर्ट में काम किया है।

मीनू बत्रा के चार बच्चे भी हैं। उनका एक बेटा हाल ही में अमेरिकी सेना में शामिल हुआ है और उसने अपनी मां की रिहाई के लिए अपील की है। उनके बेटे ने एक बयान में कहा, 'मैंने अपने देश के लिए बहुत कुछ किया है। अब मैं सिर्फ इतना चाहता हूं कि मेरा देश मेरी मां को वापस दिला दे। '

तीसरे देश में भेजे जाने की संभावना : मीनू बत्रा के वकीलों का कहना है कि उनकी हिरासत कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन है और वे उनकी रिहाई के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा रहे हैं। मामले की सुनवाई जल्द होने की उम्मीद है। वहीं अमेरिकी सरकार की ओर से कहा गया है कि मीनू बत्रा के खिलाफ साल 2000 में ही डिपोर्टेशन का अंतिम आदेश जारी हो चुका है। गृह सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि वह तब तक हिरासत में रहेंगी जब तक उन्हें हटाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती और उन्हें पूरा कानूनी अधिकार दिया जाएगा। साथ ही यह भी कहा गया कि काम करने की अनुमति किसी को अमेरिका में रहने का स्थायी अधिकार नहीं देती। उनकी कानूनी स्थिति के अनुसार उन्हें भारत भेजा नहीं जा सकता, लेकिन किसी तीसरे देश में भेजा जा सकता है। मीनू बत्रा के वकील दीपक अहलूवालिया ने कहा है कि अभी तक यह साफ नहीं किया गया है कि उन्हें कहां भेजा जाएगा।

अमेरिकाः डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को झटका, प्रतिनिधि सभा ने पारित किया हैती प्रवासियों की सुरक्षा से जुड़ा बिल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने गुरुवार को एक ऐसा विधेयक पारित किया, जिसमें दोनों प्रमुख दलों के सांसदों ने मिलकर वोट किया। यह विधेयक हैती के प्रवासियों को मिलने वाली अस्थायी सुरक्षा को बढ़ाने से जुड़ा है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के उस प्रयास के खिलाफ माना जा रहा है, जिसमें इस सुरक्षा कार्यक्रम को खत्म करने की कोशिश की जा रही थी। विधेयक को डेमोक्रेट सांसदों ने कुछ रिपब्लिकन सांसदों के समर्थन से आगे बढ़ाया। जबकि, रिपब्लिकन पार्टी का नेतृत्व इसका विरोध कर रहा था। इसमें ट्रंप प्रशासन से मांग की गई है कि हैती के प्रवासियों को मिलने वाली अस्थायी सुरक्षा को तीन साल के लिए बढ़ाया जाए। इससे अमेरिका में रह रहे लाखों योग्य प्रवासी देश से निकाले जाने (निर्वासन) के डर के बिना रह सकेंगे। मतदान में 224 सांसदों ने विधेयक के पक्ष में वोट किया और 204 सांसदों ने इसके खिलाफ वोट किया। सदन में तालियां भी बजीं। यह विधेयक अब सीनेट में जाएगा और यह भी संभावना है कि राष्ट्रपति इसे रोकने के लिए वीटो कर दें। डेमोक्रेट सांसद अयाना प्रेसली ने कहा, मैं जानती हूं कि हैती से आए हुए हमारे पड़ोसी हमारे समुदायों, हमारी संस्कृति, हमारे काम और हमारी अर्थव्यवस्था के लिए कितने अहम हैं। उन्होंने बताया कि हैती के प्रवासी स्वास्थ्य सेवा, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वे समस्या नहीं हैं, बल्कि समाधान का हिस्सा हैं। प्रेसली ने कहा कि हैती के लोगों को वापस भेजना उनके लिए 'मृत्युदंड' जैसा होगा, क्योंकि वहां प्राकृतिक आपदाएं और गिरोहों की हिंसा की गंभीर स्थिति है। यह विधेयक अमेरिका में रह रहे लगभग 3.5 लाख हैती प्रवासियों की सुरक्षा से जुड़ा है, जबकि प्रशासन कई समूहों का यह दर्जा खत्म करने की कोशिश कर रहा है। अगले दो हफ्तों में सुप्रीम कोर्ट भी एक मामले पर विचार करेगा, जो हैती और सीरिया के प्रवासियों की सुरक्षा समाप्त करने से जुड़ा है।

अमेरिका ने वीजा प्रतिबंध नीति को आगे बढ़ाया, 26 लोगों के वीजा पर लगाई रोक

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने वीजा प्रतिबंध नीति को आगे बढ़ा दिया है। अमेरिकी राज्य डिपार्टमेंट ने घोषणा की है कि वह पश्चिमी क्षेत्र में अपनी वीजा प्रतिबंध नीति को बढ़ा रहा है और 26 लोगों पर रोक लगाई है। राज्य विभाग ने एक बयान में कहा कि यह नीति उन लोगों को टारगेट करती है जो अमेरिका के दुश्मनों की तरफ से अमेरिकी हितों को कमजोर करने के लिए काम कर रहे हैं। राज्य विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रेटेजी साफ करती हैः यह सरकार दुश्मन ताकतों को जरूरी संपत्तियों पर मालिकाना हक या कंट्रोल करने या हमारे इलाके में अमेरिकी सुरक्षा और खुशहाली को खतरा पहुंचाने की काबिलियत से दूर रखेगा। राज्य विभाग देश में अमेरिकी लीडरशिप को आगे बढ़ाने, हमारे देश की रक्षा करने और हमारे पूरे इलाके में जरूरी रास्तों और इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है।' अमेरिकी राज्य विभाग ने मौजूदा वीजा प्रतिबंध नीति में एक बड़े बदलाव का ऐलान किया। राज्य विभाग ने कहा, 'यह बढ़ी हुई नीति हमें अपने इलाके के उन देशों के नागरिकों के लिए अमेरिकी वीजा पर रोक लगाने में मदद करती है, जो पश्चिमी गोलार्ध के देशों में रहते हुए और जानबूझकर दुश्मन देशों, उनके एजेंटों या कंपनियों की तरफ से काम करते हुए, ऐसी गतिविधियों में शामिल होते हैं, मंजूरी देते हैं, उनकी फंडिंग करते हैं, उन्हें बड़ा समर्थन देते हैं, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं और उन्हें कमजोर करती हैं। ये लोग और उनके करीबी परिवार के सदस्य आम तौर पर अमेरिका में एंट्री के योग्य नहीं होंगे। '

अमेरिकी राज्य विभाग ने बताया कि इन गतिविधियों में जरूरी संपत्ति और रणनीतिक संसाधन हासिल करने या कंट्रोल करने में दुश्मन ताकतों की मदद करना; क्षेत्रीय सुरक्षा की कोशिशों को अस्थिर करना; अमेरिकी आर्थिक हितों को कमजोर करना और हमारे इलाके के देशों की संप्रभुता और स्थिरता को कमजोर करने के लिए डिजाइन किए गए प्रभावी ऑपरेशन चलाना शामिल हैं।

सीजफायर के दौरान इजरायल दक्षिणी लेबनान में 10 किमी का सुरक्षा जोन बनाए रखेगा : नेतन्याहू

यरूशलम , एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हिजबुल्लाह के साथ युद्धविराम लागू होने के बाद भी इजरायल दक्षिणी लेबनान में 10 किलोमीटर का सुरक्षा क्षेत्र बनाए रखेगा। उनका यह बयान उस समय आया जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम की घोषणा की। यह समझौता नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन के बीच हुआ है और इसे अमेरिकी पूर्वी समय के अनुसार शाम 5 बजे से लागू किया जाना है। नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने हिजबुल्लाह की उस मांग को ठुकरा दिया, जिसमें इजरायली सेना को अंतरराष्ट्रीय सीमा तक पीछे हटने के लिए कहा गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायली सेना लेबनान के अंदर बनाए गए इस सुरक्षा क्षेत्र में ही तैनात रहेगी। उनका कहना है

कि यह सुरक्षा क्षेत्र उत्तरी इजरायल के इलाकों को हमलों और टैंक रोधी हथियारों से बचाने में मदद करेगा। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि लेबनान के साथ एक ऐतिहासिक शांति समझौता करने का मौका है। उन्होंने बताया कि ट्रंप इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए उन्हें और लेबनान के राष्ट्रपति को बातचीत के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं। नेतन्याहू के अनुसार, यह मौका इसलिए बना है क्योंकि इजरायल ने लेबनान में ताकत का संतुलन अपने पक्ष में बदल दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले एक महीने में लेबनान की ओर से सीधे शांति वार्ता के संकेत मिले हैं। उन्होंने बताया कि इन बातचीतों में इजरायल की दो मुख्य शर्तें होंगी- पहली, हिजबुल्लाह को पूरी तरह हथियार छोड़ने होंगे, और दूसरी, एक स्थायी शांति समझौता होना चाहिए। ईरान के मुद्दे पर नेतन्याहू ने दावा किया कि ट्रंप ने उन्हें भरोसा दिया है कि वे समुद्री नाकेबंदी जारी रखेंगे और ईरान की बची हुई परमाणु क्षमता को खत्म करने के लिए दृढ़ हैं। नेतन्याहू ने इन कदमों को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इससे आने वाले वर्षों में सुरक्षा और राजनीतिक स्थिति में बड़ा बदलाव आ सकता है। इस बीच, ट्रंप ने गुरुवार को इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम की घोषणा की, जिसका उद्देश्य तनाव को कुछ समय के लिए कम करना है। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू और जोसेफ आउन से बातचीत के बाद दोनों पक्ष 10 दिन के युद्धविराम पर सहमत हुए हैं, जो वाशिंगटन समय के अनुसार शाम 5 बजे से शुरू होगा। यह युद्धविराम उस संघर्ष को रोकने की कोशिश है, जो तब बढ़ गया था जब इजरायल ने ईरान से जुड़े हिजबुल्लाह के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया था। हालांकि लेबनान और इजरायल के बीच औपचारिक युद्ध नहीं है, लेकिन हिजबुल्लाह दक्षिणी लेबनान के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखता है और उसने इज़राइल पर कई हमले किए हैं, जिसके जवाब में इजराइल ने भी कार्रवाई की है।

हिंदू संत चिन्मय दास को बांग्लादेश की कोर्ट से मिली जमानत, लेकिन जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को एक मामले में जमानत दे दी है। हालांकि, अन्य मुकदमों के कारण वे अभी भी पुलिस हिरासत में यानी जेल में ही रहेंगे। यह आदेश गुरुवार को चटगांव में न्यायिक मजिस्ट्रेट सखावत हुसैन ने एक सुनवाई के बाद जारी किया। चिन्मय दास पर एक वकील की हत्या सहित छह अन्य मामले दर्ज हैं, जिसके कारण उनकी रिहाई अभी संभव नहीं है।

जमानत वाले मामले की पृष्ठभूमि : चिन्मय दास के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने फोन पर समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि जिस मामले में उन्हें जमानत मिली है, वह 2023 में दर्ज किया गया था। यह मामला पूर्व मंत्री मीर मोहम्मद नासिर उद्दीन (पर्वतीय क्षेत्र और भूमि राज्य मंत्री मीर मोहम्मद हेलाल उद्दीन के पिता) द्वारा दायर किया गया था। चटगांव के हठजारी स्थित मेखल इलाके में जमीन हड़पने, डराने-धमकाने और मारपीट करने का आरोप है। इस मामले में चिन्मय कृष्ण दास समेत कुल छह लोगों को आरोपी बनाया गया था।

वकील की हत्या और अन्य गंभीर मामले : चिन्मय दास की मुश्किलें अन्य गंभीर मामलों के कारण कम नहीं हुई हैं। 26 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े देशद्रोह के एक मामले में चिन्मय की जमानत पर सुनवाई के दौरान भारी हिंसक झड़पें हुई थीं। इसी हिंसा के दौरान वकील सैफुल इस्लाम की बेरहमी से पीट-पीटकर और धारदार हथियारों से काटकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद, उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों को नामजद करते हुए हत्या की एफआईआर दर्ज कराई थी। इन घटनाओं के बाद पुलिस पर हमले, सरकारी कामकाज में बाधा डालने, वकीलों और वादियों पर हमले तथा कॉकटेल (देसी बम) विस्फोट के आरोप में भी मामले दर्ज किए गए।

मामले की वर्तमान स्थिति (ट्रायल) : हत्या के इस मामले में पुलिस ने पिछले साल 1 जुलाई को ही आरोप पत्र (चार्जशीट) अदालत में पेश कर दिया था। पुलिस चार्जशीट में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि वकील सैफुल इस्लाम की हत्या चिन्मय कृष्ण दास के उकसावे और उनके सीधे निर्देशों पर की गई थी। 25 अगस्त को अदालत ने चिन्मय कृष्ण दास सहित कुल 39 आरोपियों के खिलाफ इस आरोप पत्र को स्वीकार कर लिया था। वर्तमान में इस हाई-प्रोफाइल मामले की सुनवाई चल रही है और यह ट्रायल अभी गवाहों की गवाही के चरण में है।

ट्रंप ने ईरान डील और सीजफायर पर आगे बढ़ने के संकेत दिए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान अब समझौता होने के काफी करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि परमाणु समझौते पर प्रगति हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो संघर्ष विराम (सीजफायर) को आगे बढ़ाया जा सकता है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'ईरान समझौता करना चाहता है और हम उनसे बहुत अच्छे तरीके से बातचीत कर रहे हैं।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि ईरान अब वे कदम उठाने को तैयार है, जिनके लिए वह दो महीने पहले तैयार नहीं था। उन्होंने साफ किया कि मुख्य उद्देश्य वही है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर ईरान के पास परमाणु हथियार हुआ तो दुनिया के लिए बड़ा खतरा होगा।' उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी समझौते में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सके।

ट्रंप ने कहा कि बातचीत तेजी से आगे बढ़ सकती है और अगली आमने-सामने की बैठक शायद वीकेंड में हो सकती है। सीजफायर को लेकर उन्होंने कहा कि इसे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन यह तय नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर हम समझौते के करीब होंगे तो मैं इसे बढ़ा सकता हूं, लेकिन हम पहले ही काफी करीब हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो फिर से लड़ाई शुरू हो सकती है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सैन्य और आर्थिक दबाव के कारण ही ईरान बातचीत की मेज पर आया है। उन्होंने प्रतिबंधों को बहुत प्रभावी बताया और कहा कि इनके कारण

ईरान कोई खास व्यापार नहीं कर पा रहा है और उसकी ताकत भी काफी कम हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि बाजार और तेल की कीमतों पर इसका अच्छा असर दिख रहा है। उन्होंने कहा, 'शेयर बाजार अच्छा चल रहा है। तेल की कीमतें नीचे आ रही हैं... ऐसा लग रहा है कि हम ईरान के साथ एक डील करने जा रहे हैं। ' मध्य पूर्व के बारे में ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच चल रही अलग बातचीत को लेकर भी सकारात्मक संकेत दिए। उन्होंने कहा कि एक हफ्ते के लिए संघर्ष विराम का एक अच्छा प्रस्ताव बन रहा है, जिसमें हिजबुल्लाह भी शामिल हो सकता है। ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी हाल की बातचीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मेरी उनसे बहुत अच्छी बात हुई, वे अच्छा काम कर रहे हैं।' उन्होंने इस बातचीत को सकारात्मक बताया। यूक्रेन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि वहां हालात बदल रहे हैं, लेकिन फिलहाल उनका ज्यादा ध्यान ईरान पर है। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन में बहुत लोग मर रहे हैं, लेकिन अभी हमारा मुख्य ध्यान ईरान पर है। ' ट्रंप ने ईरान पर अपने रुख को लेकर पोप की आलोचना को खारिज कर दिया और जोर देकर कहा कि उन्हें असहमत होने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा, 'पोप जो चाहें कह सकते हैं... लेकिन मैं उनसे असहमत हो सकता हूं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इजरायल-लेबनान सीजफायर का किया स्वागत

बेरूत, एजेंसी। इजरायल और लेबनान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आखिरकार राहत की खबर सामने आई है। शुक्रवार को दोनों देशों के बीच 10 दिनों का युद्धविराम लागू हो गया। इस सीजफायर की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही कर दी थी। इस कदम का उद्देश्य पिछले एक महीने से जारी हिंसक संघर्ष को रोकना है, जिसमें 2,000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। जैसे ही युद्धविराम लागू हुआ, अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसका स्वागत किया और सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हम उन सभी कदमों का स्वागत करते हैं जो 'ब्लू लाइन' के दोनों ओर हिंसा और पीड़ा को समाप्त करने में मदद करें। उन्होंने संबंधित पक्षों से इस युद्धविराम का पूरी तरह पालन करने की अपील भी की। गुटेरेस ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'मैं इजरायल और लेबनान के बीच संघर्ष-विराम की घोषणा का स्वागत करता हूं और इसे संभव बनाने में अमेरिका की भूमिका की सराहना करता हूं। मुझे उम्मीद है कि इससे इस संघर्ष के दीर्घकालिक समाधान की दिशा में बातचीत का रास्ता खुलेगा और इस क्षेत्र में स्थायी और व्यापक शांति की दिशा में चल रहे प्रयासों में मदद मिलेगी। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे संघर्ष-विराम का पूरी तरह सम्मान करें और हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करें।

वहीं, अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल-गीत ने इस समझौते को लेबनान के लोगों की पीड़ा कम करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने सभी पक्षों से तुरंत इसका पालन करने और स्थायी शांति के लिए गंभीर बातचीत शुरू करने का आग्रह किया। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने भी इस युद्धविराम का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि यह समझौता पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए

ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम समझौते का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य युद्ध को रोकना है। मिस्र ने इसे क्षेत्रीय तनाव कम करने और इजरायली हमलों को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे इस युद्धविराम को स्थायी बनाने, मानवीय सहायता पहुंचाने और विस्थापित लोगों की घर वापसी सुनिश्चित करने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने भी इस पहल का समर्थन किया और उम्मीद जताई कि यह क्षेत्र में स्थिरता और स्थायी शांति की दिशा में एक मजबूत आधार बनेगा। बता दें कि नवंबर 2024 से लागू पिछला युद्धविराम भी पूरी तरह सफल नहीं रहा था और लगभग रोजाना हमले जारी रहे। यह संघर्ष 2 मार्च को फिर भड़क गया, जब हिजबुल्लाह ने इजरायल पर रॉकेट दागे, जिसके जवाब में लेबनान में भारी हवाई हमले किए गए।

अक्षय कुमार ने असरानी को किया याद

● '12 फिल्मों में साथ किया काम, हर बार मास्टरक्लास जैसा था'

अभिनेता अक्षय कुमार दर्शकों के लिए अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' पेश करने के लिए पूरी तैयार है। इस फिल्म में उनके साथ वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, मिथिला पालकर और असरानी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस बीच अक्षय कुमार ने दिवंगत अभिनेता असरानी के साथ अपने लंबे सफर को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा किया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर असरानी के साथ ब्लैक एंड व्हाइट एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में दोनों कुर्सियों पर बैठे नजर आ रहे है और कुछ पढ़ते दिख रहे है। इस तस्वीर के साथ अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, ''कभी-कभी एक तस्वीर सिर्फ यादों का टुकड़ा नहीं होती। एक पूरी यात्रा को समेटती है। ये तस्वीर हमारी 'भूत बंगला' की शूटिंग से है। असरानी जी के साथ ये मेरी दूसरी और आखिरी फिल्म थी।'' कुल 12 फिल्में हमने साथ की और हर एक में मैंने उनसे कुछ नया सीखा। हर बार यह एक मास्टरक्लास थी।

अक्षय कुमार ने अपने पोस्ट में बताया, ''मैंने असरानी के साथ कुल 12 फिल्मों में काम किया है। हर बार उनसे बहुत कुछ नया सीखा। हर बार मास्टरक्लास जैसा था।''

अक्षय कुमार ने असरानी की सबसे बड़ी खासियत के बारे में बात करते हुए कहा, ''जब वह परदे पर कॉमेडी करते थे, तो सब बहुत आसान लगता था। लेकिन असल में लोगों को हंसाना एक मुश्किल कला है, जिसे हर कोई नहीं कर सकता। असरानी कॉमेडी के उस्ताद थे और उनकी जगह लेना किसी के लिए आसान नहीं है।'' अक्षय कुमार ने आगे कहा, 'मेरे लिए 'भूत बंगला' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक भावनात्मक अनुभव है। यह मेरे लिए एक याद, एक श्रद्धांजलि और एक सम्मान है, जो मैं असरानी को देना चाहता हूं। असरानी हमेशा यादों में जिंदा रहेंगे और उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।''

असरानी का निधन अक्टूबर 2025 में 84 वर्ष की उम्र में हुआ था, लेकिन उनकी कला आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

नीना गुप्ता ने गजराज राव संग तस्वीर साझा कर जाहिर की दिल की बात

'फिर साथ काम करने का इंतजार'

फिल्मी दुनिया में कुछ जोड़ियां ऐसी बन जाती हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय तक याद रखते हैं। ऐसी ही एक जोड़ी है, अनुभवी अभिनेत्री नीना गुप्ता और अभिनेता गजराज राव की। इस कड़ी में नीना गुप्ता ने एक खास तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपनी दिल की बात जाहिर की, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। नीना गुप्ता द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में दोनों कलाकार बेहद सादगी के साथ कैमरे के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। नीना गुप्ता ने प्रिंटेड साड़ी पहन रखी है, वहीं गजराज राव भी अपने खास स्टाइल में नजर आ रहे हैं। उन्होंने ब्लैक कलर की नेहरू जैकेट पहनी हुई है। इस तस्वीर को साझा करते हुए नीना गुप्ता ने लिखा, ''मैं गजराज राव के साथ दोबारा काम करने का इंतजार कर रही हूं।''

आयुष्मान खुराना ने एक्टर को बताया लीजेंड

रणबीर कपूर टाइम मैगजीन के 100 प्रभावशाली लोगों में शामिल

'रामायण' में राम का किरदार निभाने जा रहे अभिनेता रणबीर कपूर के नाम एक खास उपलब्धि जुड़ी है। रणबीर 2026 के टाइम मैग्जीन के 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों में शामिल हैं। जानिए रणबीर के लिए मैग्जीन की ओर से क्या कहा गया...

टाइम मैग्जीन ने 2026 के 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों की सूची जारी की है। इस प्रतिष्ठित सूची में बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर का भी नाम शामिल है। रणबीर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। रणबीर के अलावा लिस्ट में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और शेफ विकास खन्ना का भी नाम शामिल है।

आयुष्मान खुराना ने लिखा रणबीर के लिए लेख

आज जारी हुई इस लिस्ट में वित्त, मनोरंजन, टेक्नोलॉजी, खेल, सामाजिक कार्य और शिक्षा जगत सहित विभिन्न क्षेत्रों की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हैं। हालांकि, रणबीर कपूर की ओर से अब तक इस उपलब्धि पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फीचर में रणबीर कपूर के लिए लिखा गया लेख अभिनेता आयुष्मान खुराना ने लिखा है। इसमें आयुष्मान ने लिखा, 'कुछ अभिनेता विरासत बनाने के लिए संघर्ष करते हैं और कुछ अपनी कला से ही विरासत बन जाते हैं। रणबीर कपूर इसी श्रेणी में आते हैं। भारतीय सिनेमा जैसी इंडस्ट्री में हम अक्सर महानता को शोर-शराबे से मापते हैं, बॉक्स ऑफिस कलेक्शन, फैंस की दीवानगी, ओपनिंग वीकेंड। लेकिन कभी-कभी कोई अभिनेता कुछ ऐसा कर दिखाता है, जो शांत होते हुए भी कहीं अधिक स्थायी होता है। दर्शकों के रूप में हमारी इमोशनल शब्दावली। रणबीर यही काम अपनी फिल्मों के साथ करते आ रहे हैं।'

विश्व स्तर पर हमारे कल्चर को दिखा रहे रणबीर

अपने लेख में आयुष्मान ने आगे लिखा, 'ऐसी दुनिया में जहां अभिनय को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, रणबीर उसे अपने भीतर उतारते हैं। वो शांत संयम से हमारे कल्चर को दिखाते हैं। वो उस भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अंततः खुद को सुनना सीख रहा है और अपनी सरल प्रामाणिकता से एक छाप छोड़ते हैं। वैश्विक स्तर पर रणबीर जैसे अभिनेता महत्वपूर्ण कल्चरल ब्रिज (पुल) बन जाते हैं।

वो एक ऐसे भारत का प्रतीक हैं, जो न केवल आकार में बल्कि संवेदनशीलता में भी विकसित हो रहा है। हमारा सिनेमा दुनिया को प्रभावित कर रहा है। रणबीर सिर्फ एक फिल्म स्टार नहीं हैं, बल्कि एक कहानीकार हैं जो ग्लोबल ऑडियंस से बात कर रहे हैं। उन्हें एक ऐसे पौराणिक देश की कहानियां सुना रहे हैं, जहां रामायण जैसे महाकाव्यों ने अन्य सभ्यताओं और संस्कृतियों को प्रेरित किया है।'

अरिजीत सिंह की फैन बनीं निकिता गांधी, कहा- 'उनके सफर से मैंने बहुत कुछ सीखा है'

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपने बहुमुखी गायन से फैंस के दिलों में खास जगह बना चुकी निकिता गांधी ने अरिजीत सिंह के साथ कई गानों में अपनी आवाज दी है। उन्होंने हाल ही में के साथ बातचीत में बताया कि वे अरिजीत की बहुत बड़ी फैन हैं। निकिता कहती हैं, 'मैं अरिजीत की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और मैं उनके सफर और गायकी का बहुत सम्मान करती हूं। मैं खुद भी एक बहुमुखी गायिका हूं। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मैंने उनके सफर से बहुत कुछ सीखा है। बेशक, इस बात का बहुत दुख है कि अभी वे नए दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन उन्होंने बहुत सारा काम किया है और इस इंडस्ट्री को अपना बहुत कुछ दिया है।' निकिता गांधी ने आगे अपने सफर को याद किया। उन्होंने बताया कि पहले फिल्मों में गाना शुरू किया, उसके बाद अपना इंडी म्यूजिक रिलीज किया। आमतौर पर लोग पहले इंडी करते हैं और फिर फिल्मों में आते हैं, लेकिन मेरा सफर उल्टा रहा। कॉलेज के दिनों में मैंने तमिल फिल्मों में गाना शुरू किया। उस समय म्यूजिक इंडस्ट्री में आने का मेरा कोई भी प्लान नहीं था, लेकिन साउथ इंडस्ट्री और फिर बॉलीवुड में मौका मिला। उसके बाद उन्होंने अपना करियर शुरू किया। निकिता कहती हैं, 'यह बहुत अलग और शानदार सफर रहा, क्योंकि मैंने कभी सिंगर बनने का सपना नहीं देखा था। इसलिए, मैंने इसे प्यार से किया और अपने करियर का पूरा मजा लिया। लाइव परफॉर्मेंस और स्टूडियो रिकॉर्डिंग के बीच अंतर पर बात करते हुए निकिता ने बताया कि दोनों अनुभव बिल्कुल अलग हैं। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। लाइव शो में दर्शकों की मिली-जुली ऊर्जा मिलती है, जो बहुत खास होती है। वह पल उसी समय का होता है और चला जाता है। हर कोई उस अनुभव को महसूस करता है। दूसरी ओर, स्टूडियो में रिकॉर्डिंग करते समय परफेक्शन पर जोर होता है। जब आप स्टूडियो में सॉन्ग रिकॉर्ड करते हैं, तो परफेक्शन के लिए तीन-चार बार टेक लेते हैं, जब तक गाना एकदम सही न हो जाए। क्योंकि यह रिकॉर्डेड चीज हमेशा के लिए रह जाती है। इसलिए इसे जितना बेहतर बना सकते हैं, उतना बेहतर बनाते हैं। इसमें समय और कड़ी मेहनत लगती है।

शूटिंग के दौरान जब

तेज लहरों के बीच फंस गई थीं लारा

कभी-कभी फिल्मी दुनिया की चमक-दमक के पीछे ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है। लारा दत्ता की जिंदगी में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब फिल्म की शूटिंग के दौरान वह एक मुश्किल में फंस गई, जिसमें उनकी जान जाते-जाते बची। साल 2003 में लारा दत्ता ने फिल्म 'अंदाज' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा नजर आए। पहली ही फिल्म से उन्हें काफी सराहना मिली और बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का पुरस्कार भी मिला। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान एक ऐसा हादसा हुआ, जिसने उस वक्त सभी को डरा दिया था। फिल्म के एक गाने की शूटिंग समुद्र के किनारे हो रही थी। लारा को पानी से डर लग रहा था, लेकिन शूटिंग के लिए वह लहरों के बीच गईं। अचानक एक ऊंची लहर आई और उनका संतुलन बिगड़ गया। वह पानी के साथ बहने लगीं। उस समय वहां मौजूद सभी लोग घबरा गए, लेकिन अक्षय कुमार ने बिना समय गंवाए समुद्र में छलांग लगा दी और अपनी जान की परवाह किए बिना लारा को सुरक्षित बाहर ले आए। यह घटना उनके लिए बहुत डरावनी थी, लेकिन इसी ने उनकी हिम्मत को और मजबूत किया। इसके बाद लारा दत्ता ने 'मस्ती', 'नो एंट्री', 'भागम भाग', 'पार्टनर' और 'हाउसफुल' जैसी कई फिल्मों में काम किया। समय के साथ लारा ने फिल्मों के अलावा टीवी और वेब सीरीज में भी काम किया। उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और खुद को हर बार साबित किया।

शत्रुघ्न सिन्हा ने गुलशन ग्रोवर से जताई इच्छा; 'बैडमैन' ने दिया ये रिएक्शन

'तुम्हें होना चाहिए था रहमान डकैत'

बॉलीवुड के 'बैड मैन' कहे जाने वाले गुलशन ग्रोवर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस सीरीज में वो विजय वर्मा के साथ अहम भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने हिंदी सिनेमा में क्राइम स्टोरीज के विकास को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें अब बड़े और खूंखार विलेन के दौर की याद आती है। इस दौरान एक्टर ने 'धुरंधर' और रहमान डकैत के किरदार को लेकर भी बात की।

वक्त के साथ बदलना जरूरी है

इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान गुलशन ग्रोवर ने सिनेमा में क्राइम कहानियों के विकास और बदलाव को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि विकास और बदलाव हर जगह हो रहे हैं। चाहे वह कहानी कहने का तरीका हो, निर्देशन हो, अभिनय हो, सब कुछ बदलना तय है। मेरा मानना है कि जो लोग बदलाव के साथ नहीं चलते, वे भले ही आधुनिक कपड़े पहनते हों, लेकिन उनकी सोच पुरानी ही रहती है। आप कुछ बूढ़े लोगों को पेड़ के नीचे हुक्का पीते हुए और अपने जमाने की बातों का बखान करते देखते होंगे, मैं उनसे सहमत नहीं हूं। आपको लगातार बदलना होगा।

खौफनाक विलेन की हो गई कमी

खौफ पैदा करने वाले विलेन की कमी पर गुलशन ग्रोवर ने कहा कि यह क्रिएटिव कमी के बजाय सामाजिक बदलाव को दर्शाता है। मुझे नहीं लगता कि उन खलनायकों का गायब हो जाना कोई समस्या है। वे वापस आएंगे। क्योंकि फिल्ममेकर वही लिखते हैं, जो समाज में घट रहा होता है। वे वहीं से प्रेरणा लेते हैं। ऐसे किरदार आज कम दिखाई देते हैं, क्योंकि असल में उनके जैसे लोग कम ही देखने को मिलते हैं।

गुलशन गको रहमान डकैत के किरदार में देखना चाहते शत्रुघ्न सिन्हा

हाल ही में हुई एक मुलाकात को याद करते हुए गुलशन ग्रोवर ने एक किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले शत्रुघ्न सिन्हा, राकेश रोशन और शशि रंजन हम सब डिनर कर रहे थे। मैं देर से पहुंचा तो शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, 'मैंने धुरंधर देखी। गुलशन वो एक ऐसी फिल्म थी जिसमें आपको होना चाहिए था।' शत्रुघ्न ने ये भी कहा कि अगर मैंने अक्षय खन्ना का रहमान डकैत का किरदार निभाया होता तो कितना अच्छा होता। तो मैंने कहा, 'मैं भी इससे सहमत हूं। जनता भी सहमत है।'

समुदाय आधारित उद्यम योजना ग्रामीण महिलाओं की आय का बन रही बेहतर जरिया

ग्रामोत्थान परियोजना महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को दे रहा बेहतर बाजार

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : चमोली जनपद में अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष सहायतित ग्रामोत्थान परियोजना द्वारा संचालित सामुहिक आजीविका सुदृढ़ीकरण योजना ग्रामीण महिलाओं की आय का बेहतर आधार बनने लगी है। योजना के तहत चमोली में विभिन्न उद्यमों के साथ ही दुग्ध उत्पान और विपणन की व्यवस्था भी तैयार की जा रही है। जिससे जनपद में पशुपालकों की आय में भी वृद्धि दर्ज की गई है।

चमोली जनपद के दशोली विकाखण्ड में परियोजाना की ओर से समुदाय आधारित उद्यम/व्यक्तिगत उद्यम के तहत हरियाली कलस्टर लेवर फैडरेशन के माध्यम से दुग्ध उत्पादन और विपणन का कार्य कर रही है। जिसके तहत फैडरेशन से सबंद्ध 57 महिला स्वयं सहायता समूहों की 59 महिलाएं दुग्ध उत्पादन कर रही हैं। जिसके लिए परियोजना की ओर से क्लस्टर के सहयोग से विपणन की व्यवस्था भी तैयार की गई है। जिसके लिए क्लस्टर द्वारा गोपेश्वर में आउटलेट स्थापित किया गया है। जहां से प्रति 120 लीटर दूध का विपणन किया जा रहा है। जिससे क्लस्टर प्रतिमाह 1 लाख 65 हजार से अधिक की आय अर्जित कर रहा है। इसके साथ ही क्लस्टर की ओर से दुग्ध से बने दही, छांछ, पनीर और अन्य उत्पादों का भी विपणन किया जा रहा है। जिससे दुध उत्पादन करने वाली महिलाओं को अपने उत्पादों को बेचने के लिए मशक्कत नहीं करनी पड़ रही है और उन्हें घर पर ही बेहतर आय प्राप्त हो रही है। शशिकांत यादव, जिला परियोजना प्रबंधक, ग्रामोत्थान, चमोली ने बताया कि चमोली जनपद में परियोजना की ओर से 5 समुदाय आधारित उद्यम के माध्यम से 82 महिला स्वयं सहायता समूहों 410 महिलाओं को जोड़ा गया है।

नियमित मिल रही मासिक आय

कौंज पोथनी गांव निवासी ममता देवी का कहना है कि पूर्व में उन्हें अपने दूध के विपणन के लिए स्वयं बाजार तक जाना पड़ रहा था। जिससे समय अधिक लगने से उन्हें घर के कामों के लिए समय नहीं मिलता था। साथ ही दर निर्धारित न होने से आय भी नियमित नहीं रहती थी। लेकिन ग्रामोत्थान परियोजना की ओर से तैयार विपणन की व्यवस्था से समय की बचत के साथ ही बेहतर आय प्राप्त हो रही है। रौली ग्वाड़ गांव निवासी नीलम देवी का कहना है कि ग्रामोत्थान परियोजना द्वारा गठित महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें अपने दूध के विपणन में सुगमता हुई है।

अलास्का गौतम आईआईएसईआर समर कैंप के लिए चयनित

श्रीनगर गढ़वाल : शेमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल, बेलकांडी की कक्षा 11वीं की छात्रा अलास्का गौतम का चयन भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल (आईआईएसईआर भोपाल) में 4 से 9 मई 2026 तक आयोजित समर आउटरीच कैंप के लिए हुआ है। यह चयन विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन और पूर्व कक्षाओं में उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर किया जाता है। आईआईएसईआर भोपाल का यह वार्षिक समर कैंप देशभर के मेधावी छात्रों को विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित कराता है। इसमें प्राकृतिक एवं अभियांत्रिकी विज्ञान पर इंटरैक्टिव व्याख्यान, प्रयोगशाला गतिविधियां तथा मानविकी और सामाजिक विज्ञान से जुड़े सत्र आयोजित किए जाते हैं। गौरतलब है कि अलास्का गौतम ने हाल ही में सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वह श्रीनगर गढ़वाल निवासी दिव्या शिखा गौतम और डॉ. आलोक सागर गौतम की पुत्री हैं।

यात्रा मार्ग पर मांस–मदिरा पर पूर्ण प्रतिबंध की माँग

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने को लेकर श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के सदस्य डॉ. विनीत पोस्ती ने जिलाधिकारी को पत्र देकर यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था कड़ाई से लागू करने की मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा कि हर वर्ष लाखों श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचते हैं, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों के कारण धाम की छवि प्रभावित हो रही है।

उन्होंने आठ मांगें रखते हुए कहा कि यात्रा मार्ग पर मांस–मदिरा पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए और माहौल खराब करने वाले बाहरी तत्वों पर सख्त कार्रवाई कर उन्हें जिला बदर किया जाए। उन्होंने डंडी–कंडी, पालकी और घोड़ा–खच्चर संचालन में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने, मंदिर क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर रोक, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी, फर्जी साधु–संतों के खिलाफ कार्रवाई, हथियारों की जांच और नशीले पदार्थों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की है।

एसआरटी परिसर के 18 कर्मचारी हुए नियमित

नई टिहरी। स्वामी रामतीर्थ परिसर बादशाहीथौल में वर्षों से संविदा और दैनिक वेतन पर कार्यरत कर्मचारियों को आखिरकार स्थायित्व का सहारा मिल गया है। परिसर में 18 कर्मचारियों का नियमितीकरण किया गया है। एसआरटी परिसर के निदेशक प्रो. एए बौड़ाई ने बताया कि कार्य परिषद से अनुमोदन मिलने के 18 कर्मचारियों का नियमतीकरण कर लिया गया है। नियमित किए गए कर्मचारी पिछले 18 से 20 वर्षों से विश्वविद्यालय में विभिन्न पदों पर सेवाएं दे रहे थे। इनमें तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर कार्यरत प्रयोगशाला सहायक, इलेक्ट्रीशियन, खेल सहायक और कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल हैं जो लंबे समय से अस्थायी व्यवस्था में कार्य कर रहे थे। इन कर्मचारियों का विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रयोगशालाओं के संचालन से लेकर तकनीकी और खेल गतिविधियों तक, इनकी भूमिका निरंतर बनी रही। लंबे समय से कर्मचारी संगठन और स्वयं कर्मचारी विश्वविद्यालय प्रशासन से नियमितीकरण की मांग कर रहे थे इस संबंध में लगातार वार्ता और पत्राचार भी होता रहा। अब इस निर्णय के बाद कर्मचारियों के बीच संतोष का माहौल है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का मिले लाभ

जिलाधिकारी ने ली प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए प्रगति में तेजी लाने तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम की रैंकिंग में सुधार हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि योजना के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं को समेकित (कंपाइल) कर शीघ्र प्रस्तुत किया जाए, ताकि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने पात्र लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने डीपीओ को अन्य संबंधित अधिकारियों से समन्वय करते हुए अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों का चयन कर उन्हें प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी हिमांशु बडोला ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से गर्भवती महिला एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के प्रथम जीवित बच्चे एवं द्वितीय जन्मी बालिका पर पात्र लाभार्थियों के खाते में दो किस्तों में 5000 और एक किस्त में 6000 की नगद धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पोर्टल पर लाभार्थियों के रिकॉर्ड अपलोड होने में तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं, जिस कारण से वास्तविक लक्ष्य पूरा करने में समस्याएं आ रहीं हैं, जिसे टेक्निकल यूनिट के माध्यम से समाधान कर शीघ्र दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर सीडीपीओ देवाल चन्द्रभानु सिंह जीना, सीडीपीओ गैरसैंण सीवी गर्ग, सुपरवाइजर, एएनएम स्टाफ सहित संबंधित विभागों के अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी एकेश्वर गढ़वाल

पत्रांक 53 /2-लेखा / जि0यो0/विज्ञप्ति /2026-27 दिनांक 18-04-2026

विज्ञप्ति

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से जिला योजना वर्ष 2025-26 में स्वीकृत निम्नलिखित निर्माण कार्य के सम्पादन हेतु इस कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से (ठेकेदार द्वारा वर्ष 2024-25 में टैक्स जमा कर दिया हो) विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से दिनांक 04-05-2026 समय 12 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनांक 04-05-2026 को दोपहर 2 बजे से ठेकेदारों / उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी की उपस्थिति और नामित समिति के सदस्यों समक्ष खोली जायेगी। निविदा फार्म के साथ शेडयूल बी, रू0 100/- का स्टाम्प पेपर, स्वीकृत धनराशि का 2 प्रतिशत की राशि सी0डी0आर0 के रूप में जो कि खण्ड विकास अधिकारी एकेश्वर के नाम बन्धक हो तथा टैक्स जमा का प्रमाण संलग्न करना अनिवार्य है अन्यथा की स्थिति में निविदा फार्म को निरस्त समझा जायेगा।

क्रमांक	कार्य का नाम	स्वीकृत राशि ला0 में	निविदाफार्म का मूल्य जीएसटी सहित पूर्ण रू0 में
1-	विकास खण्ड एकेश्वर में टाईप-2 के एक आवास का नव निर्माण कार्य	20.00	1770.00

उक्त कार्य का निर्माण कार्य 45 दिन में पूर्ण करना अनिवार्य है तथा किसी भी निविदा को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है।

(सौरभ हाण्डा)
खण्ड विकास अधिकारी
एकेश्वर गढ़वाल।

चारधाम यात्रा के लिए लोनिवि ने तैयार किया वैकल्पिक मार्ग चिह्नित

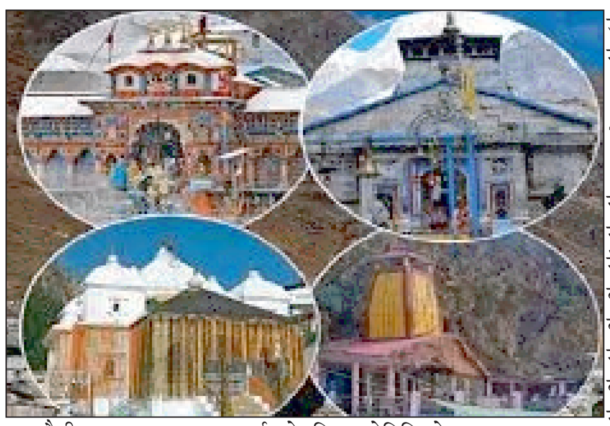

पौड़ी। चारधाम यात्रा मार्ग के लिए लोनिवि ने पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली व टिहरी जनपदों में करीब 16 सड़कों को वैकल्पिक मोटर मार्गों के रूप में सूचिबद्ध किया है। केदारनाथ, बदरीनाथ व हेमकुंड साहिब के लिए इन मोटर मार्गों पर आवागमन सुचारु कर दिया गया है। इस साल की चारधाम यात्रा को सुगम और सुरक्षित करने के लिए लोनिवि ने केदारनाथ पहुंचने के लिए 11 जबकि बदरीनाथ के लिए छह वैकल्पिक मोटर मार्गों को चिह्नित किया है। विभाग के मुताबिक चिह्नित मार्गों पर सड़क सुधारीकरण के कार्य पूर्ण हो चुके हैं। वहीं, खिर्सू –खेड़ाखाल– कांडई– खांकरा, खांकरा–छातिखाल और तिलवाड़ा– बाबई मार्ग को बदरीनाथ/केदारनाथ पहुंचने के लिए संयुक्त रूप से इस्तेमाल किया जा सकता है। इन मार्गों को बैकअप के रूप में हर समय इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही बरसात या आपदा के दौरान भी इन मार्गों से आवागमन किया जा सकेगा।

बदरीनाथ के वैकल्पिक मार्ग

गोविंदघाट– पुलना– हेमकुंड, नंदप्रयाग– चमोली वाया सावरीसैंण, जोर्तिमठ– सिंहधार– नृसिंह मंदिर बाइपास, पोखरी– विशाल– नैल– बामनाथ– सांकरी, खिर्सू– खेड़ाखाल– कांडई– खांकरा, खांकरा–छातीखाल– डूंगरीपंथ आदि मोटर मार्ग शामिल हैं।

– केदारनाथ के वैकल्पिक मार्ग

चुन्नीबैंड– विद्यापीठ, टिहरी – घनसाली–तिलवाड़ा, ममणी – जखोली, मयाली– गुप्तकाशी, रुद्रप्रयाग– पोखरी, बांसवाड़ा– कणसिल– चंद्रनगर–मोहनखाल, मक्कू पहुंच– पलद्वाड़ी– परकंडी– भीरी, बांसवाड़ा– बष्टी– बसुकेदार, विजयनगर–पठालीधार– डांगी, नागजगई–फेगू– बरम्वाड़ी, उत्तरकाशी– घनसाली– तिलवाड़ा मोटर मार्ग शामिल हैं।

मार्ग पर तैनात होंगे 48 कर्मचारी 12 जेसीबी मशीनें

इन मार्गों पर हर समय यातायात को सुचारु करने के लिए लोनिवि ने गोपेश्वर, पोखरी, रुद्रप्रयाग व ऊखीमठ में 12 जेसीबी मशीनों के साथ 48 कर्मचारियों को तैनात किया है। विभाग के मुताबिक निखं ऊखीमठ में चार मशीनों के साथ सर्वाधिक 28 कर्मचारी तैनात रहेंगे। प्रांतीय खंड गोपेश्वर में चार मशीनें व 10 कर्मचारी, निर्माण खंड पोखरी में दो मशीनों पर छह कर्मचारी और रुद्रप्रयाग में दो मशीनों पर चार कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

– पौड़ी के छह वैकल्पिक मार्गों से यात्रा होगी सुलभ

चारधाम यात्रा के दौरान पौड़ी के छह वैकल्पिक मार्गों को यातायात के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें पौड़ी–देवप्रयाग– गजा– जाजल, पौड़ी– खिर्सू, डुंगरीपंथ – छातिखाल, घट्टूगाड़– द्वारीखाल–गुमखाल– लैंसडोन– रिखणीखाल– बीरोंखाल, कर्मप्रयाग– नौटी– पैठाणी और स्व. जगमोहन सिंह नेगी मोटर मार्ग दुगड्डा शामिल हैं।

चार डिविजनों में 32 अभियंता व 48 श्रमिक करेंगे मार्ग सुगम

लोनिवि के प्रांखं गोपेश्वर, रुद्रप्रयाग और निखं पोखरी व ऊखीमठ डिविजनों में 32 अभियंता और 48 श्रमिक इन मार्गों की हर समय निगरानी करेंगे। इनमें सर्वाधिक छह अभियंता और 32 श्रमिक ऊखीमठ में तैनात रहेंगे। जबकि गोपेश्वर में चार अभियंता व 10 श्रमिक, रुद्रप्रयाग में 5 अभियंता व चार श्रमिक, पोखरी में एक अभियंता व छह श्रमिक तैनात रहेंगे।

वैकल्पिक मार्गों को चिह्नित कर यातायात के लिए सुचारू कर दिया है। इन मार्गों को बरसात या एनएच बंद होने के दौरान इस्तेमाल किया जा सकेगा। मार्गों पर विभागीय जेसीबी मशीनें, कर्मचारियों के साथ तैनात कर दी हैं। जरूरत पड़ने पर निजी मशीनों को हायर किया जाएगा। — **राजेश चंद्र शर्मा, प्रमुख अभियंता, लोनिवि, उत्तराखंड।**

Notes

That, I declared that the name of my Daughter PRIYANSHI has erroneously been mentioned in my service documents PRIYANSI (as per service documents document) where as the correct name of my Daughter PRIYANSHI (as per proposed name/new name). That now I wants to endorse the correct name of my Daughter in my service documents.

No- JC 533026X Rank SUB SURESH S/o LATE BUDHI RAM DEPOT COY. G.R.R.C LANSDOWNE, PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND.
(0501/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पुत्र दीपक राणा (DIPAK RANA) व पुत्रियों का नाम प्रियंका (PRIYANKA) व कुमारी दीप्ति (KUMARI DEEPTI) गलत दर्ज हो गया है, जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम दीपक राणा (DEEPAK RANA) एवं पुत्रियों का नाम प्रियंका राणा (PRIYANKA RANA) व दीप्ति नेगी (DEEPTI NEGI) है। अतः मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम दीपक राणा (DEEPAK RANA) एवं पुत्रियों का नाम प्रियंका राणा (PRIYANKA RANA) व दीप्ति नेगी (DEEPTI NEGI) दर्ज किया जाए।

नं0- G/3300433 WO (GD) बीरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 छवाण सिंह निवासी ग्राम कुम्भीचौड़, पोस्ट कुम्भीचौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0500/21)

दो प्राथमिक विद्यालयों के पुनर्निर्माण को हरी झंडी

नई टिहरी। मरम्मत के अभाव में दम तोड़ रहे जिले के दो प्राथमिक विद्यालयों के पुनर्निर्माण की राह आसान हो गई। थौलधार ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय तिखोन और चंबा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय सौंदकोटी के लिए 65 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। लंबे समय से जर्जर हालत में चल रहे विद्यालयों में पढ़ाई कर रहे छात्र–छात्राओं और शिक्षकों को अब सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिलने की उम्मीद है। प्राथमिक विद्यालय तिखोन और सौंदकोटी की स्थिति काफी समय से चिंताजनक बनी थी। भवनों की छतों से प्लास्टर झड़ चुका था। बारिश के दौरान पानी सीधे कमरों के भीतर टपकता था जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी खतरा बना हुआ था। सबसे अधिक परेशानी बारिश के दिनों में होती थी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीपीएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि 11.05.2026 है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 15:30 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	01-GSU-MB-26-27 17.04.2026
कार्य का नाम	ABSS- Improvements of circulating area & Facade, Concourse at Gajraula station and Improvement of Circulating area, parking area, provision of Shelter at PF 1 at Garhmukteshwar station under Dy CE.GSU/MB
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	11.05.2026, 15:30 Hrs.
अनुमानित लागत	8,93,15,610.48
धरोहर राशि	17,86,300.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	27.04.2026

सं.: Dy.CE/GSU/MB/Publication-01/26-27 दिनांक: 17.04.2026 1286/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

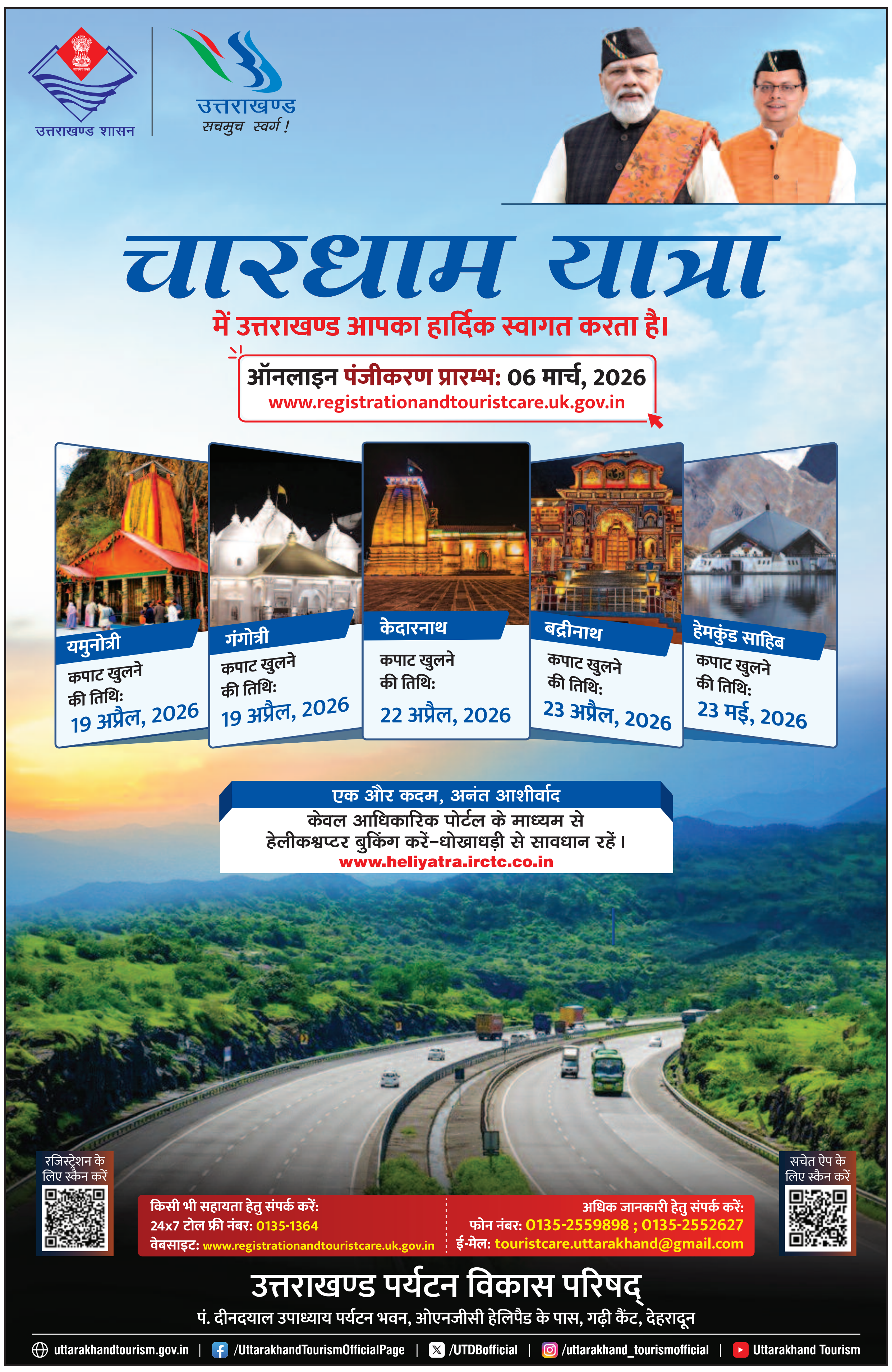

केकेआर के लिए गहराता संकट, रॉयल्स की वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। छह मैचों के बाद भी एक भी जीत दर्ज न कर पाने वाली केकेआर को अब अपनी पिछली हार के 48 घंटे से भी कम समय में ऊर्जावान राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से भिड़ना है। केकेआर का अभियान कई मोर्चों पर पटरी से उतर गया है। सीजन शुरू होने से पहले ही मुख्य तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप चोट के कारण बाहर हो गए थे। मथीशा पथिराना के आने में देरी और अनिश्चितता ने संकट को और गहरा कर दिया है। कैमरून ग्रीन के गेंद के साथ केवल कभी-कभार ही योगदान देने के कारण, केकेआर के पास अनुभवहीन तेज गेंदबाजी आक्रमण है, जिसमें मारक क्षमता और धार दोनों की कमी साफ दिखती है। यह आश्चर्य की बात नहीं कि वे इस सीजन में सांख्यिकीय रूप से सबसे खराब तेज गेंदबाजी टीमों में से एक रहे हैं। गुजरात टाइटंस (जीटी) से मिली हार के बाद अजिंक्य रहाणे ने बेबाकी से कहा, जो खिलाड़ी पावरप्ले में गेंदबाजी कर रहे हैं, वे अनुभवहीन हैं। जब यह अनुभवहीन आक्रमण टूर्नामेंट की सबसे विनाशकारी सलामी जोड़ी के सामने आता है, तो केकेआर के पास योजना बनाने या कल्पना करने के लिए ज्यादा समय नहीं है।

केकेआर की चिंताएं केवल गेंदबाजी तक सीमित नहीं हैं। फिन एलन उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए और अब बेंच पर हैं, रिंकू सिंह पूरी तरह से फॉर्म से बाहर हैं, जबकि अजिंक्य रहाणे दबाव में दिख रहे हैं। केकेआर पावरप्ले में सबसे खराब बल्लेबाजी करने वाली टीमों में से भी है, जिसने छह मैचों में इस चरण में 12 विकेट गंवाए हैं, जबकि प्रति ओवर नौ रन से थोड़ा अधिक ही बना पाई है। रविवार को चुनौती यह भी होगी कि राजस्थान रॉयल्स पावरप्ले में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने वाली टीम रही है। रॉयल्स अपने पिछले मैच में सनराइजर्स से मिली 57 रन की हार के बाद वापसी के लिए बेताब होंगे, जो चार प्रभावशाली जीत के बाद एक अप्रत्याशित घटना थी। इसे सुधारना उनकी प्राथमिकता होगी।

यह मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। सीजन की शुरुआत में कुछ बारिश के बाद, कोलकाता के अपने गर्म और आर्द्र गर्मी के मौसम में लौटने की उम्मीद है, जिसमें तापमान 36 डिग्री तक पहुंच सकता है।

यह मैदान स्पिनरों के पक्ष में रहा है और गर्म धूप में सतह के पकने के साथ, धीमी गति के गेंदबाजों के लिए कुछ मदद मिल सकती है। आमने-सामने के मुकाबलों में, केकेआर कुल मिलाकर 16-14 से आगे है और ईडन गार्डन्स में मैचों में 7-4 से आगे है।

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कैमरून ग्रीन ने अहमदाबाद में जीटी के खिलाफ गेंदबाजी नहीं की थी। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने स्पष्ट किया कि ग्रीन ने ऐंठन के कारण गेंदबाजी नहीं की, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या वह गेंदबाजी के लिए उपलब्ध होंगे। मथीशा पथिराना अभी तक टीम में शामिल नहीं हुए हैं। वरुण चक्रवर्ती का आरआर के खिलाफ अनुकूल रिकॉर्ड रहा है, उन्होंने 10 मैचों में 18 के औसत से 13 विकेट लिए हैं। केकेआर अपने स्पिन जादूगर पर निर्भर रहेगी कि वह इस करो या मरो जैसे मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करें। राजस्थान रॉयल्स की ओर से कोई चोट की खबर नहीं है। आरआर के स्पिनरों ने इस सीजन में 15.85 के औसत से 14 विकेट लिए हैं और उनका संघर्षरत केकेआर बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ, खासकर स्पिन के खिलाफ उनकी लड़ाई निर्णायक हो सकती है।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबादः ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जीशान अंसारी।

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष और मुकेश चौधरी।

भारतीय महिला हॉकी टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार कम बैक

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। यहां खेली गई चार मैचों की श्रृंखला में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अद्भुत दृढ़ संकल्प और जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज को 2-2 से बराबर कर लिया। शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करने के बाद टीम इंडिया ने जिस तरह से वापसी की, वह उनके मानसिक मजबूती और आने वाले बड़े मुकाबलों के लिए तैयार रहने का स्पष्ट संकेत है। यह प्रदर्शन न केवल टीम का आत्मविश्वास बढ़ाएगा, बल्कि भारतीय हॉकी के भविष्य के लिए भी सकारात्मक संकेत देता है। श्रृंखला का आगाज भारत के लिए निराशाजनक रहा, जहां 13 अप्रैल को खेले गए पहले मैच में अर्जेंटीना ने अपनी आक्रामक रणनीति और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करते हुए भारत को 4-2 से पराजित किया। भारत के लिए नवनीत कौर और अन्नु ने कुछ उम्मीदें जगाईं, लेकिन मेजबान टीम की फॉरवर्ड जूलिएटा जांकुनास ने दो गोल दागकर अपनी टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। दूसरा मैच भी भारत के हाथ से निकल गया, जब अर्जेंटीना ने 2-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में भारत के लिए इशिका ने एकमात्र गोल किया, जबकि आगस्टिना गोर्जेलानी ने दो गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरी जीत दिलाते हुए सीरीज में 2-0 की बढ़त दिला दी। इन शुरुआती झटकों के बाद भारतीय टीम पर सीरीज गंवाने का खतरा मंडराने लगा था।

हालांकि, भारतीय टीम ने हार नहीं मानी और 16 अप्रैल को खेले गए तीसरे मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की। इस मैच में नवनीत कौर और नेहा ने महत्वपूर्ण गोल दागे, जिससे टीम को न केवल सीरीज में वापसी का मौका मिला, बल्कि खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी बढ़ा। इस जीत ने टीम में एक नई ऊर्जा का संचार किया और आगामी मुकाबले के लिए मजबूत आधार तैयार किया। 17 अप्रैल को खेले गए चौथे और निर्णायक मैच में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी, क्योंकि भारतीय डिफेंस ने अर्जेंटीना के हर आक्रमण को विफल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। अंततः मैच का फैसला शूटआउट से हुआ, जहां भारत ने 3-2 से रोमांचक जीत हासिल कर सीरीज को 2-2 से बराबर कर लिया। यह जीत भारतीय महिला हॉकी टीम की दबाव में भी शांत रहने और बेहतरीन प्रदर्शन करने की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण रही।

कार्यवाहक कप्तान नवनीत कौर ने टीम के इस शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, पहले दो मैच हारने के बाद जिस तरह से टीम ने वापसी की, उससे मैं बहुत खुश हूँ। अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम के खिलाफ यह वापसी आसान नहीं थी, लेकिन हमारी टीम ने असाधारण जज्बा दिखाया। उन्होंने आगे जोर देकर कहा, यह दर्शाता है कि भारतीय महिला हॉकी टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है और हम बड़े मुकाबलों में दबाव को कुशलता से संभाल सकते हैं। यह श्रृंखला भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव साबित हुई है, जो उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए और भी मजबूत बनाएगी।

दिल्ली ने बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया, केएल राहुल का अर्धशतक

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल के एक रोमांचक मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। डेविड मिलर ने लगातार दो छक्के और एक चौका लगाकर एक बॉल रहते जीत दिला दी।

टॉस हार कर बैटिंग कर रही बेंगलुरु ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 175 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.5 ओवर में 6 विकेट रहते टारगेट चेज कर लिया।

176 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले में ही 3 विकेट गंवा दिए। तीनों विकेट भुवनेश्वर कुमार ने लिए। हालांकि ओपनर केएल राहुल एक एंड से टिके रहे और अर्धशतक लगाया। उनके और ट्रिस्टन स्टब्स के बीच चौथे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी हुई।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम तीसरी जीत के साथ पॉइंट्स टेबल के चौथे स्थान पर आ गई है। जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 8 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है।

SAI तक पहुंची कोच की काली करतूतें? नीरज चोपड़ा और सुमित अंतिल ने लगाए शोषण के आरोप, किए चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा और सुमित अंतिल ने जैवलिन कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और गाली-गलौज के गंभीर आरोप लगाए हैं। ह्र्ढ्ढ को सौंपी गई शिकायत में कोच के व्यवहार का खुलासा हुआ है।

एथलेटिक्स में खासकर जैवलिन थ्रो के जरिए भारत ने हाल के वर्षों में बड़ी पहचान बनाई है, जिसमें नीरज चोपड़ा की अहम भूमिका रही है। उनके साथ ही पैरालंपिक में सुमित आंतिल ने लगातार दो गोल्ड मेडल जीतकर इस खेल को देश में और लोकप्रिय बना दिया।

लेकिन अब इन दोनों स्टार खिलाड़ियों ने एक भारतीय जैवलिन कोच पर गंभीर आरोप लगाकर खेल जगत में हलचल मचा दी है। नीरज चोपड़ा, सुमित अंतिल और कुछ अन्य खिलाड़ियों ने कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और अभद्र भाषा के इस्तेमाल के आरोप लगाए हैं।

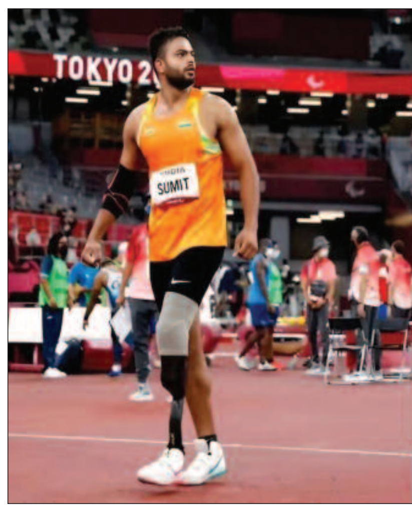

खिलाड़ियों को गाली-गलौज का आरोप

एक रिपोर्ट के अनुसार, इन खिलाड़ियों ने Sports Authority of India (SAI) को लिखित शिकायत सौंपी है। इसमें आरोप है कि नवल सिंह शराब के नशे में खिलाड़ियों को गाली-गलौज से भरे वॉयस मैसेज भेजते हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि वह खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके परिवारों के लिए भी आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

सुमित अंतिल ने की शिकायत

इस मामले में मुख्य शिकायतकर्ता सुमित अंतिल हैं, जिन्होंने पहले भी SAI और पैरालंपिक Committee of India के सामने यह मुद्दा उठाया था। लेकिन कार्रवाई न होने पर उन्होंने 10 अप्रैल को औपचारिक लिखित शिकायत दर्ज कराई। सुमित ने कहा कि वह विवाद से दूर रहना चाहते हैं, लेकिन बार-बार हो रही घटनाओं के कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा।

वहीं Neeraj Chopra ने भी सुमित के आरोपों का समर्थन करते हुए कोच के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा और व्यवहार न सिर्फ अनुचित है, बल्कि बेहद शर्मनाक और गैर-पेशेवर भी है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों और उनके परिवारों के प्रति इस तरह का रवैया खेल भावना और शिष्टाचार के खिलाफ है।

जोस बटलर टी20 में 300 कैच पूरे करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बने

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बल्ले से रन बनाने को तरस रहे गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक बड़ी और अनोखी उपलब्धि हासिल की। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस महत्वपूर्ण मैच में, इंग्लैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने कगिसो रबाडा की गेंद पर अंगक्रिश रघुवंशी का शानदार कैच लपका। रघुवंशी का यह कैच पकड़कर बटलर ने टी20 क्रिकेट में 300 कैच पूरे करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। यह एक विकेटकीपर के लिए असाधारण उपलब्धि है, जो उनकी फिटनेस, एकाग्रता और विकेटकीपिंग कौशल का प्रमाण है। उनसे पहले, क्रिकेट जगत में यह उल्लेखनीय उपलब्धि केवल तीन अन्य खिलाड़ियों वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड, साउथ अफ्रीका के डेविड मिलर और साउथ अफ्रीका के ही क्विंटन डी कॉक ने हासिल की थी। अहमदाबाद में केकेआर और जीटी के बीच खेला गया आईपीएल 2026 का यह मैच जोस बटलर के करियर का 498वां टी20 मैच था। यह आंकड़ा उनकी लंबी और सफल टी20 करियर को दर्शाता है,

जिसमें उन्होंने विभिन्न लीगों और अंतरराष्ट्रीय मैचों में लगातार प्रदर्शन किया है। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड के नाम है। पोलार्ड ने 2006 से अब तक एक दर्जन से अधिक टीमों के लिए कुल 735 टी20 मैचों में 405 कैच लिए हैं, जो उनकी असाधारण फील्डिंग क्षमता का प्रमाण है। उनके बाद, डेविड मिलर का नंबर आता है, जिन्होंने 561 मैचों में 332 कैच पकड़े हैं, और फिर क्विंटन डी कॉक हैं, जिन्होंने 440 मैचों में 316 कैच लपके हैं। जोस बटलर का इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होना उनकी विकेटकीपिंग और फील्डिंग कौशल को एक नई पहचान देता है। आईपीएल में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड भारतीय क्रिकेट के महान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम है।

आईपीएल में आज अजेय पंजाब किंग्स के सामने पंत की लखनऊ सुपर जाइंट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादविंदर सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स अपनी जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी। इस सीजन में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अब तक शानदार रहा है और टीम ने जबरदस्त फॉर्म दिखाई है, जबकि लखनऊ सुपर जाइंट्स लगातार संघर्ष करती नजर आ रही है। कप्तान ऋषभ पंत की चोट ने लखनऊ की मुश्किलों को और भी बढ़ा दिया है, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया है।

पंजाब किंग्स ने इस सीजन में अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जहाँ टीम ने अपने शुरुआती मैचों में शानदार खेल दिखाते हुए अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई है। उनकी बल्लेबाजी में गहराई और गेंदबाजी में धार स्पष्ट रूप से दिखाई दी है, जो उन्हें इस मुकाबले में मजबूत दावेदार बनाती है। टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए विशेष रूप से महारत हासिल की है, जहाँ उन्होंने हाल के मैचों में दबाव में भी संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाया है।

इसके विपरीत, लखनऊ सुपर जाइंट्स फिलहाल अंक तालिका में निचले पायदानों पर संघर्ष कर रही है और लगातार दो हार के बाद टीम पर दबाव साफ दिखाई दे रहा है। उनका प्रदर्शन इस सीजन में उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ है। पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत का महज तीन गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो जाना, लखनऊ के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। हालांकि बाद में वह बल्लेबाजी के लिए लौटे, लेकिन उनकी कोहनी पर बंधी पट्टी उनकी फिटनेस को लेकर संशय बनाए हुए है, जो टीम के बल्लेबाजी क्रम को कमजोर कर सकता है।

लखनऊ की बल्लेबाजी इस सीजन में उनकी कमजोर कड़ी साबित हुई है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ पिछले मुकाबले में टीम केवल 146 रन ही बना सकी थी, जहाँ मुकुल चौधरी और आयुष बदोनी ने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम एक बड़ा स्कोर खड़ा करने में विफल रही। पूरे सीजन में टीम अभी तक 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है, जो उनकी बल्लेबाजी की गहराई और आक्रमण में कमी को दर्शाता है। इसके विपरीत, पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी ने इस सीजन में अपनी ताकत दिखाई है, जहाँ उन्होंने कई बार 200 से अधिक रन बनाए हैं। प्रभसिमरन सिंह जैसे खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी काफी प्रभावशाली रहा है, जिससे टीम को तेजी से रन बनाने में मदद मिलती है।

लखनऊ की गेंदबाजी इकाई में प्रिंस यादव, आवेश खान जैसे गेंदबाज शामिल हैं, जिन्होंने कुछ विकेट चटकाए हैं। लेकिन टीम को और अधिक निरंतरता और प्रभावी प्रदर्शन की आवश्यकता होगी, खासकर तब जब पंजाब के बल्लेबाज अच्छी लय में हों। लखनऊ के मुकुल चौधरी, एडेन मार्करम, मिचेल मार्श और निकोलस पूरन जैसे बल्लेबाजों से उम्मीद होगी कि वे इस महत्वपूर्ण मुकाबले में बड़ी और आक्रामक पारियां खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में लाएं, ताकि टीम अपनी हार की लकीर को तोड़ सके और अंक तालिका में अपनी स्थिति सुधार सके। यह मुकाबला पंजाब के लिए अपनी जीत की दौड़ जारी रखने का अवसर है, जबकि लखनऊ के लिए यह सीजन में वापसी करने का एक महत्वपूर्ण मौका है।

टीमें इस प्रकार हैं-

पंजाब किंग्स = प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कूपर कोनोली, श्रेयस अय्यर (कप्तान), शशांक सिंह, नेहल वढेरा, मार्कस स्टोइनिस, मार्को जानसन, जेवियर बार्टलेट, विजयकुमार विशाक, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल

लखनऊ सुपर जायंट्स = मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अवेश खान, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

सनराइजर्स हैदराबाद में हुई खुंखार गेंदबाज की एंट्री, विरोधियों पर कितना ढाएगें कहर!

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में अपनी स्थिति मजबूत करने की जुगत में लगी सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने दल में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। टीम ने घातक तेज गेंदबाज डेविड पेन के चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए सितारे जेराल्ड कोएत्जी को शामिल किया है। पेन ने इस सीजन में फ्रेंचाइजी के लिए सिर्फ दो मैच ही खेले थे, जिसके बाद टखने की गंभीर चोट ने उन्हें शेष टूर्नामेंट से वंचित कर दिया। जेराल्ड कोएत्जी, जिनकी उम्र मात्र 25 साल है, अपने अनुभव और आक्रामक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह इस साल की नीलामी में किसी भी टीम द्वारा नहीं चुने गए थे, लेकिन उनका आईपीएल रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। इससे पहले उन्होंने मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस जैसी मजबूत फ्रेंचाइजियों के लिए खेलते हुए 14 मैचों में 15 महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए हैं। उनकी सटीक यॉर्कर्स और गति विरोधियों के लिए हमेशा चुनौती रही है। सनराइजर्स हैदराबाद ने इस तेज गेंदबाज को 2 करोड़ रुपये की कीमत पर अपने साथ जोड़कर अपनी गेंदबाजी इकाई को और धारदार बनाया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी कोएत्जी ने अपनी पहचान बनाई है। वह हाल ही में संपन्न हुए दक्षिण अफ्रीका की टी20 विश्व कप टीम का अहम हिस्सा थे, हालांकि उन्हें दुर्भाग्यवश टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में खेलने का अवसर नहीं मिल पाया था। विश्व कप के तुरंत बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई सभी पांच टी20 मैचों में भाग लिया, जहाँ उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया और अपनी फॉर्म व फिटनेस का संकेत दिया। उनकी यह वापसी टीम के लिए निश्चित रूप से फायदेमंद साबित होगी। टीम के लिए एक और बड़ी खबर यह है कि उनके कप्तान पैट कमिंस भी अब टीम से जुड़ चुके हैं। कमिंस 17 अप्रैल, शुक्रवार को दल में शामिल हुए और अब वह 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए पूरी तरह से उपलब्ध रहेंगे। उनकी कप्तानी और अनुभव टीम के मध्यक्रम और गेंदबाजी आक्रमण को नई ऊर्जा देगा। फिलहाल सनराइजर्स हैदराबाद अंक तालिका में पांचवें स्थान पर संघर्ष कर रही है और प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए हर मैच महत्वपूर्ण है। कोएत्जी और कमिंस जैसे खिलाड़ियों की उपलब्धता से टीम को आगामी मैचों में आवश्यक गति और संतुलन मिलने की उम्मीद है, जिससे वे अपनी अभियान को सफल बना सकें।

स्मृति मंधाना ने क्रिकेट जगत में रचा इतिहासः रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ बनीं भारत की सबसे सफल टी20 बल्लेबाज

–दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में हासिल की उपलब्धि

डरबन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को डरबन में खेले गए पहले टी20 मैच के दौरान मंधाना ने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद संन्यास लेने से पहले 159 मैचों में 4,231 रन बनाए थे। मंधाना ने अपनी 13 रनों की पारी के दौरान जैसे ही दूसरा रन पूरा किया, वह टी20 इंटरनेशनल (पुरुष और महिला दोनों वर्गों में) भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं। अब उनके नाम 161 मैचों में 4,244 रन दर्ज हैं।

किंग्समीड स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम को हालांकि 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाबाद 47 रनों की बदौलत 20 ओवर में 157/7 का स्कोर बनाया था। स्मृति मंधाना इस मैच में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहीं और 14 गेंदों पर 13 रन बनाकर आउट हो गईं, लेकिन अपनी छोटी सी पारी में उन्होंने वह ऐतिहासिक रन बटोर लिया जिसकी प्रतीक्षा क्रिकेट जगत को थी। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट (51) और एनेरी डर्कसेन (44*) की शानदार बल्लेबाजी की मदद से 19.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

स्मृति मंधाना अब महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। इस सूची में शीर्ष पर न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (4,717 रन) का नाम आता है। पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड फिलहाल पाकिस्तान के बाबर आजम (4,596 रन) के नाम है। रोहित शर्मा के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना मंधाना के करियर की एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि वह अभी सक्रिय खिलाड़ी हैं और आने वाले समय में वे सूजी बेट्स और बाबर आजम के आंकड़ों को भी चुनौती दे सकती हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज का दूसरा मैच 19 अप्रैल को खेला जाएगा।

15 साल के इंतजार के बाद बांग्लादेश में वनडे खेलेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, टी20 सीरीज का भी ऐलान

नई दिल्ली । पंद्रह साल के लंबे इंतजार के बाद ऑस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम बांग्लादेश के दौरे पर वनडे सीरीज खेलने वाली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने खुद इस बात की पुष्टि की है कि ऑस्ट्रेलिया की टीम सीमित ओवरों की सीरीज के लिए जून 2026 में बांग्लादेश का दौरा करेगी। इस महत्वपूर्ण दौरे पर बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी, जिसके बाद इतने ही मैचों की टी20 सीरीज का भी आयोजन होगा। इस दौरे का पूरा शेड्यूल भी सामने आ गया है, जिससे क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह है। ऑस्ट्रेलिया की टीम का यह दौरा 9 जून को वनडे इंटरनेशनल सीरीज के साथ शुरू होगा और 21 जून तक चलेगा। वनडे सीरीज के तीनों मैच ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे, जो बांग्लादेश के प्रमुख क्रिकेट मैदानों में से एक है। वहीं, टी20 सीरीज की मेजबानी चटग्राम का बीर श्रेष्ठो फ्लाइट लेफ्टीनेंट मातिउर रहमान स्टेडियम करेगा। इस सीरीज के लिए एक नई ब्रॉडकास्टिंग राइट्स डील भी हुई है, जिससे ऑस्ट्रेलिया में गेम्स का टेलीकास्ट हो सकेगा। वनडे और टी20 सीरीज ऑस्ट्रेलिया में फॉक्स क्रिकेट और कायो स्पोर्ट्स पर देखने को मिलेगी। यह ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर है, क्योंकि इससे पहले जो टी20 सीरीज बांग्लादेश में खेली गई थी, उसका प्रसारण ऑस्ट्रेलिया में नहीं किया गया था।